मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 10 मार्च 2026
संवत 2082, चैत्र कृष्ण 7 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 174 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ श्रमशक्ति नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बनें महिला किसान

कोच साहब, आप पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है विश्व विजेता बनने के बाद धोनी की पोस्ट वायरल 6

बरियातू जमीन घोटाला

अफसर अली को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, जेल से आयेंगे बाहर

रांची : राजधानी रांची के बरियातू इलाके में सेना की कब्जे वाली 4.55 डिसमिल जमीन से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में आरोपी मो। अफसर अली को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी है। इस फैसले के बाद अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज अन्य मामलों में भी अफसर अली को पहले ही जमानत मिल चुकी है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद इस मामले में भी उन्हें राहत मिल गई है।

इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट के तत्कालीन न्यायमूर्ति अंबुज नाथ की अदालत ने मो अफसर अली की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अफसर अली ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें जमानत दे दी, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमीन हड़पने का आरोप

दरअसल, यह पूरा मामला रांची के बरियातू थाना क्षेत्र की सेना के कब्जे वाली करीब 4.55 डिसमिल जमीन से जुड़ा है। आरोप है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर इस जमीन पर दो-दो होल्डिंग बना लिए गए थे। इस मामले में जमीन की खरीद-बिक्री और दस्तावेजों में गड़बड़ी को लेकर कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

बताया जाता है कि वर्ष 2022 में बरियातू थाना में इस जमीन घोटाले को लेकर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू की।

जांच एजेंसियों का आरोप है कि फर्जी कागजात के जरिए जमीन पर कब्जा करने और अवैध तरीके से लाभ कमाने की कोशिश की गई थी। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ भी की जा चुकी है और जांच अब भी जारी है।

गैंगस्टर अमन साव एनकाउंटर मामला

सीबीआई से जांच कराने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई टली

रांची : गैंगस्टर अमन साव एनकाउंटर मामले की जांच सीबीआई से करने को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई टल गई । दरअसल इस पूरे मामले पर झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत प्रसाद नारायण एवं न्यायाधीश अरुण राय की खंडपीठ कर रही है । आज इस मामले को न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायाधीश दीपक रोशन की खंडपीठ में सूचीबद्ध किया गया। इसके बाद राज्य सरकार के महाधिवक्ता ने कहा कि इस मामले को दूसरे बेंच द्वारा सुना जा चुका है, ऐसे में फिर से दलीलें पेश करनी होगी। ऐसे में मामले को पूर्व के ही बेंच में सुना जाए। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हेमंत कुमार सिकरवार ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें अदालत से उम्मीद है कि इस संबंध में न्याय संगत निर्णय देगी। ऐसे में किसी भी खंडपीठ से यह उम्मीद रखते हैं अदालत ने मामले को पूर्व के ही बेंच में सूचीबद्ध करने के आदेश के साथ याचिका 17 मार्च तक टाल दी, मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी।

याचिकर्ता का आरोप महत्वपूर्ण साक्ष्य हो सकते हैं प्रभावितः सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि राज्य सरकार इस मामले की सुनवाई में जान-बूझकर देरी कर रही है, जिससे महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। उदाहरण के तौर पर कॉल रिकॉर्ड से जुड़ी जानकारी सीमित समय में ही मोबाइल कंपनियों से प्राप्त की जा सकती है, लेकिन देर होने से ऐसे प्रमाण नष्ट हो सकते हैं।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे दोनों

साहिबगंजः जिले में देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों युवक एक विवाह समारोह में भोज खाने जा रहे थे, तभी उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस हादसे के बाद दोनों परिवारों और पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर डेरा के पास सोमवार देर रात करीब 12:30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक तेज गति से बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे सड़क किनारे पीपल के पेड़ से जा टकराई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पेड़ से टकराने के बाद दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। देर रात हुए इस हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को देखने की कोशिश की, लेकिन उनकी हालत बेहद गंभीर थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की रात्रि गश्ती टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सनोज कुमार यादव (लगभग 20 वर्ष), पिता कुंवर यादव, निवासी तालबन्ना तथा बादल यादव (लगभग 22 वर्ष), पिता देवानंद यादव, निवासी शोभनपुर भट्ठा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक आपस में अच्छे दोस्त थे और पास के ही एक विवाह समारोह में भोज खाने के लिए जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही यह दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने दोनों परिवारों की खुशियों को मातम में बदल दिया।

मुफस्सिल थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिलते ही रात्रि गश्ती पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घायल अवस्था में सड़क पर पड़े दोनों युवकों को तत्काल सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस मामले की जांच भी कर रही है। वहीं इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और लोग सड़क सुरक्षा को लेकर भी चिंता जता रहे हैं।

रांची रेलवे स्टेशन पर महिला ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग, मौके पर हुई मौत

रांचीः सोमवार देर रात करीब 11 बजे रांची रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन के सामने महिला ने छलांग लगा दी। इस घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर प्रवेश कर रही थी। यात्री अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, तभी अचानक एक महिला चलती ट्रेन के सामने कूद गई।

ट्रेन की रफ्तार और टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर ही महिला की मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन पर अफरातफरी की स्थिति पैदा हो गई। बताया जा रहा है कि महिला हटिया से हावड़ा जाने के लिए आई थी। महिला के शव की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत में लागू हुआ एस्मा अब रसोई गैस की सप्लाई रोकना होगा अपराध

नई दिल्लीः पश्चिम एशिया संकट के बीच सीमित आपूर्ति के मद्देनजर रसोई गैस (एलपीजी) की लंबे समय तक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने उत्पादन बढ़ाने समेत कई उपायों की घोषणा की है। देश भर के ईंधन भंडारों में कमी आई है। चूंकि रसोई गैस बेहद आवश्यक वस्तु है, इसलिए केंद्र सरकार हर घर में इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहती है। यही वजह है कि सरकार ने घरेलू गैस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू कर दिया है। एक्ट लागू करने का मुख्य उद्देश्य जरूरी वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और आपूर्ति को नियंत्रित करना है, ताकि कोई भी किसी तरह की कालाबाजारी न हो सके।

बता दें कि गैस की किल्लत को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग अब 21 दिन की बजाय 25 दिन के अंतराल पर कर दी है। साथ ही रिफाइनरियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है जिसका इस्तेमाल घरेलू आपूर्ति के लिए किया जाएगा। गैर-घरेलू जरूरतों के लिए आयातित एलपीजी से आपूर्ति की जायेगा। इसमें अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी। रेस्तरां, होटलों तथा अन्य उद्योगों को आपूर्ति पर विचार करने के लिए तेल विपणन कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है।

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम :

क्या है एस्मा? आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 जरूरी वस्तुओं के उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित करता है। इस कानून के जरिए जमाखोरी और कालाबाजारी को रोककर कीमतों को काबू में रखा जाता है। इसके तहत सरकार स्टॉक सीमा तय कर सकती है।

दिल्ली से रांची आ रही फ्लाइट कोलकाता डायवर्ट खराब मौसम के कारण नहीं हो पाई लैंडिंग

रांचीः खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण दिल्ली से रांची आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या क-1046 को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। यह फ्लाइट बुधवार सुबह करीब 9.25 बजे रांची एयरपोर्ट पर उतरने वाली थी।मिली जानकारी के अनुसार फ्लाइट रांची पहुंचने के बाद कुछ समय तक आसमान में चक्कर लगाती रही, लेकिन विजिबिलिटी बेहतर नहीं होने के कारण पायलट ने सुरक्षा के मद्देनजर विमान को कोलकाता डायवर्ट करने का निर्णय लिया।

बताया गया कि खराब मौसम के कारण रांची एयरपोर्ट पर लैंडिंग संभव नहीं हो सकी। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से कोलकाता के लिए रवाना कर दिया गया। फ्लाइट के डायवर्ट होने से यात्रियों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार मौसम सामान्य होने के बाद आगे की व्यवस्था की जाएगी।

'यूसीसी लागू करने का सही समय', सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है।

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर। महादेवन भी शामिल थे। पीठ 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन्हें मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के लिए कही ये बातः सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय शरियत कानून के उत्तराधिकार संबंधी प्रावधानों को रद्द कर देता है, तो इससे एक कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है, क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला कोई अन्य स्पष्ट कानून मौजूद नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण से कहा कि सुधार की जल्दबाजी में ऐसा कदम उठाना उचित नहीं होगा जिससे महिलाओं को वर्तमान से भी कम अधिकार मिल जाएं। उन्होंने पूछा कि यदि 1937 का शरियत कानून समाप्त हो जाता है तो उसके स्थान पर क्या व्यवस्था लागू होगी।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन इस विषय पर निर्णय लेना संसद के लिए अधिक उपयुक्त होगा, क्योंकि संविधान के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता लागू करने का दायित्व विधायिका को दिया गया है।

अदालत ने यह भी कहा कि पहले भी कई बार न्यायालय संसद से समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने की सिफारिश कर चुका है। पीठ के अनुसार, सामाजिक और व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक सुधार के लिए विधायी प्रक्रिया ही सबसे उपयुक्त रास्ता है। इस दौरान अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि अदालत यह घोषणा कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर उत्तराधिकार अधिकार मिलना चाहिए। उनका तर्क था कि यदि शरियत कानून की विवादित धाराएं हटाई जाती हैं तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू किया जा सकता है।

कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, बीजेपी विधायकों ने की नारेबाजी

रांचीः झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को विपक्षी दलों ने जनहित के मुद्दों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बजट सत्र के अंतिम चरण में पहली बार विपक्ष आक्रामक तेवर में नजर आया। भारतीय जनता पार्टी के विधायक सदन के बाहर तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करते दिखाई दिए।

कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेराः प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विपक्ष के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हत्या, लूट और रंगदारी जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम लोगों में भय का माहौल है।

महिलाओं की सुरक्षा पर भी उठे सवालः बीजेपी विधायकों ने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और व्यापारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। कई स्थानों पर रंगदारी की घटनाएं बढ़ने से कारोबारी और आम नागरिक दहशत में हैं। उनका कहना था कि लोग डर के कारण घर से बाहर निकलने में भी असहज महसूस कर रहे हैं।

सरकार के कार्यकाल पर भी उठाए सवालः विपक्षी विधायकों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस- राष्ट्रीय जनता दल गठबंधन सरकार के सवा वर्ष के कार्यकाल पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि इस अवधि में राज्य की स्थिति लगातार बिगड़ती गई है। विधायकों ने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है और नौकरशाही पूरी तरह हावी हो गई है, जिससे जनप्रतिनिधियों की बात तक नहीं सुनी जा रही है।

जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे विपक्षः विपक्षी विधायकों ने स्पष्ट किया कि झारखंड के मौजूदा हालात को वे विधानसभा के अंदर और बाहर मजबूती के साथ उठाते रहेंगे। जरूरत पड़ने पर जनता के हित में संघर्ष भी किया जाएगा, ताकि राज्य में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके। प्रदर्शन में नीरा यादव, पूर्णिमा दास, रागिनी सिंह, सीपी सिंह और राज सिन्हा समेत बीजेपी के कई विधायक शामिल रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

बंद करो मजदूरों का शोषण : देवेन्द्र नाथ

मुरी : जेएलकेएम के केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के नेतृत्व में टाटा स्टील कंपनी जमशेदपुर मेन गेट दो घंटा से जाम है। ज्ञात हो कि पिछले बीस सालों से कंपनी में कार्यरत सिल्ली मारदू निवासी रोबिन महतो की कार्य के दौरान दुर्घटना में मौत हो गयी। देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि मृतक परिवार को पचास लाख रुपए मुआवजा, तीनों बेटा को स्थाई नौकरी और मृतक की पत्नी अनिता महतो को आजीवन पेंशन की मांग की जा रही है। मौके पर जेएलकेएम के राम प्रसाद महतो, मीनाक्षी देवी, भानुमति देवी, सुलोचना महतो भानुप्रिया महतो अभिषेक वर्मा गणेश कुम्हार, तपन महतो उपस्थि त थे।

मृतक के परिजनों से मिले सपा नेता

सिल्ली /रांची : सपा प्रमुख महासचिव सह सामाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा अंसारी प्रदेश सचिव मुस्लिम फैजी प्रदेश एंव मुहम्मद सलीम अंसारी ने सोमवार को ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सितू गांव निवासी मृतक विजय कुमार दास के पिता ईश्वर चंद्र दास एंव बड़े भाई अजय कुमार दास से मिले। सपा नेताओं ने राज्य सरकार से मृतक के परिवार के सदस्य को एक सरकारी नौकरी व 50 लाख एंव रेशमी कंस्ट्रक्शन कंपनी से 50 लाख देने की मांग की। मालूम हो की विजय कुमार दास (31) बेड़ो थाना क्षेत्र में हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया गया था। रविवार को टेंगरिया गांव के पास जंगल में सुनसान जगह पर एक कुएं से शव बरामद हुआ था, जो बाइक से रस्सी से बंधा था। विजय 24 फरवरी से लापता था करीब 12 दिनों बाद शव मिला था। विजय कुमार दास पिछले चार वर्षों से रांची के पुंदाग स्थित रेशमी कंस्ट्रक्शन कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था और कंपनी के कैंपस में ही रहता था।

विधि-विधान के साथ पंचमुखी श्री हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

खलारी : मोहन नगर बाजार परिसर में श्री श्री 108 मारुती नंदन श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में यज्ञ आचार्य द्वारा वैदिक मंत्र के उच्चारण एवं पूरे विधि-विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान के बाद हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। प्राणप्रतिष्ठा के उपरांत पंचमुखी हनुमान मंदिर मे बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवक-युवतियां और बच्चे इसके साथ एन के एरिया महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता एवं एनके एरिया के ट्रेड यूनियन के सदस्य यज्ञ समिति के सदस्य और काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थिति थे। भक्तजन भगवान हनुमान के जयकारे लगाते हुए दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति माहौल था । मालूम हो कि 7 से 11 मार्च तक यज्ञ कार्यक्रम चलेगा । इस अवसर पर मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। एनके एरिया महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता एवं ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों को गमछा देकर सम्मानित किया गया । मौके पर आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कई गण्यमान लोग शामिल थे।

बरामद शव मामले में पुलिस सक्रिय मृतक के परिजनों से की पूछताछ

चतराः सदर प्रखंड के बीआरसी कार्यालय के समीप मिले युवक अनिश कुमार सिंह के शव के मामले की पुलिस लगातार जांच पड़ताल कर रही है। सोमवार को एसडीपीओ संदीप सुमन अन्य पुलिस पदाधिकारियों के साथ मृतक के पैतृक गांव टंडवा थाना क्षेत्र के रोल गांव पहुंच कर मृतक के परिजनो से पूछताछ किया। पत्नी शीतल देवी के अलावा भाई व अन्य से भी पूछताछ की गयी है। इस दौरान अनिश को घर से निकलने के समय, उसके बाद की गतिविधियों व पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में विस्तार से जानकारी जुटायी। एसडीपीओ ने बताया कि मामला खुलासा करने को लेकर लगातार कार्य किया जा रहा है। साथ ही हरेक पहलू से मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द मामला का खुलासा कर दिया जायेगा। मालूम हो कि पांच दिनो से लापता जयशंकर नगर सजना गांव निवासी अनिश का शव शनिवार दोपहर बीआरसी कार्यालय के समीप से मिला था। रविवार को रांची से एफएसएल टीम व हजारीबाग से डॉग स्क्वायड ने चतरा पहुंच कर घटनास्थल व आसपास के क्षेत्रो की बारीकी से जांच की थी।साथ ही सैंपल एकत्रित किया था।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

चतरा : शहर के उमा पैलेस परिसर में संचालित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, चतरा के तत्वावधान में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 11 रक्तवीरों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शाखा प्रबंधक दीपक झा ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि कई लोग रक्तदान से डरते हैं।

17 एकड़ जमीन विवाद : गोलीकांड के पांच आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

संवाददाता

खूंटी : कर्रा थाना क्षेत्र के टिमरा गांव में 17 एकड़ जमीन विवाद को लेकर हुए सनसनीखेज गोलीकांड मामले में खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना में शामिल 7 आरोपियों में से 5 को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

ज्ञात हो कि चार दिन पहले जमीन विवाद को लेकर हुई इस घटना में 55 वर्षीय सुकरा महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि उनके 19 वर्षीय पुत्र अर्जुन महतो को भी गोली मारकर घायल कर दिया गया था। घायल अर्जुन का इलाज अभी चल रहा है। पुलिस अधीक्षक खूंटी मनीष तोपो ने बताया कि जांच के दौरान यह जानकारी मिली कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी अपने गांव टिमरा लौट आए हैं और बाहर भागने की फिराक में हैं। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जिसमें 26 वर्षीय विकास महतो पिता स्वर्गीय बोधन महतो, 23 वर्षीय विनोद महतो उर्फ अजीत महतो पिता स्वर्गीय मनसुख महतो, 23 वर्षीय रामप्रसाद महतो उर्फ छोटू पिता शुक्रा महतो,
28 वर्षीय सिकंदर महतो उर्फ सचिन महतो पिता शुक्रा महतो,

तथा 24 वर्षीय रामू महतो पिता स्वर्गीय घीनू महतो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी लोगों कर्रा थाना के टिमरा गांव के ही रहने वाले है
पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उनके पास से एक देसी कट्टा और एक ब्लू रंग की टीवीएस अपाची बाइक भी बरामद की गई है। इस छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक सह खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, जरियागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार, मुरहू थाना प्रभारी नोएल गॉडविन केर-केट्टा, कर्रा थाना के दीपक कांत कुमार, जोगेश सिंह, जितेंद्र राम सहित तकनीकी शाखा, रिजर्व गार्ड और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अधीक्षक मनीष तोपो ने बताया कि फरार दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 24 मार्च को दिल्ली में जन आक्रोश रैली

संवाददाता

मुरीः भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) झारखंड राज्य कमिटी का छोटानागपुर स्तरीय जन आक्रोश ने जत्था चौक में सभा किया गया। किसान - मजदूर विरोधी नीतियां नहीं चलेगी ,4 लेबर कोड ,बीज और बिजली विधेयक रद्द करो, मनरेगा की वापसी करनी होगी, भारत - अमेरिका व्यापार समझौता नहीं चलेगा, ईरान पर अमेरिका - इजराइल हमला पर रोक लगाओ, एमएसपी की कानूनी गारंटी करो, किसानों की आत्महत्या क्यों, झारखंड में जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा की रक्षा करनी होगी, सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण नहीं चलेगा,युद्ध नहीं शान्ति चाहिए,कौन बनाता हिन्दुस्तान,देश का मजदूर किसान। 24 मार्च को दिल्ली चलो आदि नारे लग रहे थे। जन आक्रोश जत्था एवं सभा को माकपा के केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सीटू राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदीप दत्ता , माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास,माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सह झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सह सीटू झारखंड, महासचिव विश्वजीत देव, आदिवासी मंच के राज्य संयोजक सुखनाथ लोहरा, राज्य सचिव मंडल राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरेश मुंडा, मदुवा कच्छप, शंकर उरांव किसान नेता आएता उरांव,अनिल उरांव,देवनाथ गोप,मनिता उरांव,मिला कुमारी, प्रतिमा उरांव,पूनम उरांव, पुष्पा उरांव, बलदेव उरांव, राजेंद्र उरांव, तुरिया उरांव,बिरासमुनी उरांव, चन्द्र देव उरांव,अनिता मुंडा,विजय वन,लखवा उरांव, बिनोद उरांव, प्रदीप गुड़िया, कल्याण गुरिया, भूषण मुंडा, मनबोध मुंडा,सदानंद सवासी, घासी राम मुंडा, रामधन मछुवा, नेहरू लाल मुंडा,शिवैशवर महतो , भिड़राय मुंडा, बुधनी देवी,सहागी देवी, दुर्गा देवी,सोमबारी देवी,मती देवी व अन्य ने संबोधित किया।

औषधि निदेशालय की संयुक्त टीम ने किया रेड क्रॉस सोसाइटी के ब्लड बैंक का निरीक्षण

संवाददाता

चतरा : रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में संचालित ब्लड बैंक का सोमवार को औषधि निदेशालय की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। यह निरीक्षण माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में किया गया, जिसके तहत प्रत्येक तीन माह पर ब्लड बैंक की जांच करने का प्रावधान है। जांच टीम में सहायक निदेशक (औषधि) अमित कुमार तथा चतरा के ड्रग इंस्पेक्टर कैलाश मुंडा शामिल थे। निरीक्षण के दौरान टीम ने सबसे पहले ब्लड बैंक की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साफ-सफाई की व्यवस्था पर टीम के सदस्य संतुष्ट नजर आए।इसके बाद टीम ने ब्लड बैंक में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर और विभिन्न उपकरणों की जांच की। साथ ही बीते वित्तीय वर्ष 2024-2025 के ब्लड डोनर रजिस्टर तथा इश्यू रजिस्टर सहित अन्य दस्तावेजों का भी गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के

दौरान एलाइजा के माध्यम से की जाने वाली जांच प्रक्रिया का भी बारीकी से अध्ययन किया गया। टीम ने जांच की विभिन्न चरणों का अवलोकन करने के साथ-साथ उनकी फोटोग्राफी भी करवाई।इस दौरान अधिकारियों ने रेड क्रॉस के कर्मियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा निरीक्षण में पाई गई कुछ त्रुटियों में सुधार करने की बात कही। यह जांच सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चली। मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव धर्मेंद्र पाठक, एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, निर्भय कुमार, लैब टेक्नीशियन विजय कुमार, सुमन कुमारी, एएनएम जयंती भेलेट तिर्की, सहायक तपेश्वर प्रसाद तथा डीआई कार्यालय के सहायक मो वारिश मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नगर पंचायत में लाखों की सरकारी संपत्ति पर चोरों की नजर, कार्रवाई नहीं होने से बढ़ा चोरों का मनोबल

संवाददाता

खूंटी : नगर पंचायत खूंटी क्षेत्र में सरकारी संपत्ति की चोरी का मामला एक बार फिर चर्चा में है। शहर की साफ-सफाई और सुंदरता को ध्यान में रखते हुए लगभग दो वर्ष पूर्व नगर पंचायत द्वारा पूरे क्षेत्र में लगे प्लास्टिक डस्टबिन को हटाकर उनकी जगह लाखों रुपये की लागत से स्टील के आकर्षक डस्टबिन लगाए गए थे।

लेकिन कुछ ही समय के भीतर इन डस्टबिनों पर चोरों की नजर पड़ गई और कई स्थानों से लोगों ने इन्हें अपने घरों में ले जाकर निजी उपयोग में लगा लिया। डस्टबिन चोरी होने के कारण क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था प्रभावित होने लगी। लोगों को मजबूरन कचरा इधर-उधर फेंकना पड़ा, जिससे साफ-सफाई व्यवस्था पर भी असर पड़ा। स्थिति को देखते हुए नगर पंचायत ने कुछ महीने पहले फिर से लाखों रुपये खर्च कर नए स्टील के डस्टबिन विभिन्न स्थानों पर लगवाए। हालांकि, पहले चोरी हो चुकी सरकारी संपत्ति को लेकर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। न तो इस मामले में किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई और न ही किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई नहीं होने के कारण चोरों का मनोबल बढ़ गया है और अब फिर से कई जगहों पर डस्टबिन को उखाड़कर तोड़ दिया गया है या चोरी करने की कोशिश की जा रही है। कुछ स्थानों से डस्टबिन के गायब होने की भी सूचना मिल रही है। स्थानीय लोगों का यह भी सवाल है कि जब पहले से लगे प्लास्टिक के डस्टबिन से कचरा प्रबंधन हो रहा था तो उन्हें हटाकर महंगे स्टील के डस्टबिन लगाने की आवश्यकता क्या थी। उनका कहना है कि महंगे और आकर्षक डस्टबिन चोरी की घटनाओं को भी बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर तब जब इस पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो रही हो। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते प्रशासन इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता है और चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तो आने वाले दिनों में फिर से नगर पंचायत की लाखों रुपये की संपत्ति चोरी हो सकती है। साथ ही स्थानीय नागरिकों से भी अपील की जा रही है कि वे अपने क्षेत्र में लगी सरकारी संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करें। क्योंकि ये सुविधाएं जनता के टैक्स के पैसे से लोगों की सुविधा के लिए लगाई जाती हैं, न कि उन्हें निजी उपयोग के लिए अपने घर ले जाने के लिए। यदि प्रशासन और आम लोग मिलकर जिम्मेदारी निभाएं तो ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

सांसद ने प्रागो बुटीक का किया उदघाटन

चतरा : प्रागो बुटीक शॉप का उद्घाटन चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने किया। यह बुटीक शॉप सेलिब्रेशन होटल के फ्रंट हॉल में खोला गया है। मौके पर सांसद ने कहा कि चतरा में फैशन बुटीक खुलना सौभाग्य की बात है इससे लोगों को नए नए डिजाइन के कपड़े मिलेंगे। बुटीक के संस्थापक संगीता मांझी ने बताया कि जो डिजाइनर ड्रेस दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों में उपलब्ध है वो अब चतरा में मिलेगा। आदिवासी पोशाक नए- नए डिजाइन में उपलब्ध है। खादी कपड़ा में भी डिजाइनिंग के साथ मेंस ड्रेस उपलब्ध है। श्रीमती मांझी ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म में अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार देने का काम करेंगे। मौके पर शिक्षा विभाग के सांसद प्रतिनिधि प्रफुल्ल पांडे, मीडिया प्रतिनिधि सुभाष सिंह, सोनिया कुमारी,राजेश कुमार, सुनिल कुमार, राजीव नयन प्रकाश, बीरेंद्र कुमार गोविन्द मांझी, धूमा नाथ पुरान, प्रमिला देवी, संध्या देवी, काजल कुमारी, रानी कुमारी ललिता देवी, मनीषा कुमारी समेत कई लोग उपस्थित थे।

पर्यटन विकास की संभावनाओं को लेकर डीसी ने किया खैवा बंदारू जलप्रपात का निरीक्षण

संवाददाता

चतरा। जिले में पर्यटन के विकास एवं संभावनाओं की तलाश के उद्देश्य से आज उपायुक्त कीर्तिश्री ने चतरा एवं लावालौंग सीमा पर स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर खैवा बंदारू जलप्रपात का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया।

खैवा बंदारू जलप्रपात निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए वहां आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं का आकलन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पहुंच पथ की मरम्मती कराने तथा पर्यटकों के बैठने के लिए बनाए गए क्षतिग्रस्त शेड की मरम्मती एवं आवश्यकतानुसार नए शेड के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को विकसित कर जिले में पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाया जा सकता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।खैवा बंदारू जलप्रपात जाने के क्रम में उपायुक्त ने बाजार टांड़ स्थित आंगनवाड़ी केंद्र भगवनिया का भी निरीक्षण किया तथा वहां संचालित योजनाओं की जानकारी ली।मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, चतरा अंचल अधिकारी अनिल कुमार, लावालौंग प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित उपस्थित थे।

सदन में सवाल पर तकरार

मंत्री ने कहा- मैं अपने विभाग का जबाव दूंगा, बाबूलाल ने दी होमवर्क की नसीहत

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हल्की तकरार देखने को मिली। मामला मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और वहां चल रहे ईंट-भट्ठों तथा क्रेशर से हो रहे प्रदूषण से जुड़ा था। सदन में यह मुद्दा उठते ही कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया और यह बहस शुरू हो गई कि आखिर इस सवाल का जवाब किस विभाग को देना चाहिए।

विधायक प्रकाश राम ने उठाया मुद्दा

प्रश्नकाल के दौरान विधायक प्रकाश राम ने मैक्लुस्कीगंज के विकास का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मैक्लुस्कीगंज एक ऐतिहासिक और खूबसूरत जगह है, जिसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की काफी संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में चल रहे ईंट-भट्ठों और क्रेशर से प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण और स्थानीय लोगों पर असर पड़ रहा है। इसलिए सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने दिया जवाब: इस सवाल का जवाब देते हुए खान विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि मैक्लुस्कीगंज को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का मामला उनके विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विषय पर्यटन या अन्य संबंधित विभागों से जुड़ा हुआ है। खान विभाग केवल क्रेशर और ईंट-भट्ठों से जुड़े मामलों पर ही जानकारी दे सकता है। मंत्री के इस जवाब के बाद सदन में थोड़ी बहस शुरू हो गई।

विपक्ष ने उठाया सचिवालय की भूमिका का सवाल: मंत्री के जवाब पर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि अगर सवाल किसी दूसरे विभाग से जुड़ा है तो उसे सही विभाग तक पहुंचाने की जिम्मेदारी विधानसभा सचिवालय की होनी चाहिए। उनका कहना था कि सदस्यों के सवालों का सही और स्पष्ट जवाब मिलना जरूरी है, इसलिए सवालों को संबंधित विभाग तक भेजा जाना चाहिए।

बाबूलाल मरांडी ने कहा, मंत्री तैयारी करके आएं: इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को सदन में आने से पहले पूछे जाने वाले सवालों को लेकर पूरी तैयारी करके आना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मंत्री पहले से होमवर्क करके आएंगे तो सदस्यों को संतोषजनक और स्पष्ट जवाब मिल सकेगा।

सरकार की ओर से राधा कृष्ण किशोर का जवाब: सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार के सभी मंत्री अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस सवाल को पर्यटन विभाग को भेज दिया जाए। इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया जा सकता है ताकि संबंधित विभाग इस पर विस्तृत जवाब दे सके। कुछ देर की चर्चा के बाद सदन की कार्यवाही फिर सामान्य ढंग से आगे बढ़ने लगी।

रांची सिविल कोर्ट को फिर से बम से उड़ाने की मिली धमकी

पुलिस और बम निरोधी दस्ता एक्टिव

संवाददाता

रांचीः रांची सिविल कोर्ट को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल के माध्यम से भेजे गए धमकी भरे मैसेज में कहा गया है कि इस बार 14 साइनाइट बम विस्फोट कर कोर्ट को उड़ा दिया जाएगा । धमकी देने वाले ने आगे कहा है कि कोर्ट के होने का क्या मतलब जब बेगुनाह को इंसाफ नहीं मिल पाता है । धमकी भरे मैसेज मिलने के बाद रांची पुलिस हरकत में आ गई । कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम और बम निरोधक दस्ता कोर्ट परिसर में पहुंच कर पूरे परिसर की तलाशी ले रहे है । बम निरोधक दस्ता और डाग स्क्वाड की टीमों ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की । सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को कुछ समय के लिए पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया. एहतियातन कुछ देर के लिए मुख्य प्रवेश द्वार को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है ।पिछली बार रांची सिविल कोर्ट को आरडीएक्स से विस्फोट कर उड़ाने की थी धमकीः इससे पहले 28 फरवरी को भी सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी । अज्ञात शख्स द्वारा भेजे गए ईमेल में आरडीएक्स से विस्फोट करने की बात कही गई थी । धमकी भरा मेल मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया तथा पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

झारखंड में रसोई गैस की किल्लत बढ़ी, रांची में कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पर रोक

रांचीः ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब झारखंड में भी दिखाई देने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में संभावित बाधा और बाजार में फैल रही आशंकाओं के कारण राज्य के कई शहरों में रसोई गैस की किल्लत की स्थिति बनने लगी है। खासकर 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति पर फिलहाल अघोषित रोक लगा दी गई है। तेल कंपनियों ने यह कदम घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उठाया है। हालांकि, इस संबंध में कंपनियों की ओर से कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है, लेकिन गैस एजेंसियों को मौखिक रूप से निर्देश दिया गया है कि अगले आदेश तक कॉमर्शियल सिलिंडरों की आपूर्ति सीमित रखी जाए। घरेलू सिलिंडर की आपूर्ति को दी जा रही प्राथमिकताः तेल कंपनियों का कहना है कि घरेलू गैस की बढ़ती मांग को देखते हुए यह अस्थायी व्यवस्था लागू की गयी है। इंडियन ऑयल के एक मंडल स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कंपनियों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित न हो।

अखिल राजपूताना कल्याण न्यास का सम्मान समारोह, वार्ड 32 के विजयी पप्पू सिंह हुए सम्मानित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः अखिल राजपूताना कल्याण न्यास की नामकुम इकाई द्वारा समाज में एकता, परंपरा और सेवा भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नामकुम स्थित उज्जैन भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड संख्या 32 से विजयी पप्पू सिंह को मंच पर आमंत्रित कर अंगवस्त्र एवं पारंपरिक तलवार भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में स्वर्ण समाज के प्रदेश अध्यक्ष तथा अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष सिंह ने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर सामाजिक विकास, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बिपिन सिंह, सुभाष सिंह, आर.के. सिंह, अजय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह और अखिलेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि इस अवसर पर श्रीराम सिंह, संतोष सिंह, विनोद सिंह, सुबोध सिंह, राकेश सिंह, विनोद कुमार सिंह, प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सूरज झा, राहुल पाठक, राहुल बिहारी, आकाश, वीरू सिंह, सुभाष सिंह, वक्त भाई, अमरेंद्र सिंह, अजय सिंह सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और समाज में एकता, सम्मान तथा सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

हटिया संकट मोचन हनुमान मंदिर राम नवमी पूजा समिति की कमिटी का गठन

चंदन यादव अध्यक्ष व नंदन यादव बने मुख्य संरक्षक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः हटिया संकट मोचन हनुमान मंदिर रामनवमी पूजा समिति की वार्षिक बैठक मंदिर परिसर में हुई। श्रीरामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। नई समिति का गठन किया गया। 24 मार्च को स्थापना पूजा, सुंदरकांड पाठ और भोग का वितरण होगा। 27 मार्च को संध्या में मंदिर प्रांगण में सभी अखाड़ा समितियों का आगमन, अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण किया जाएगा। 28 मार्च को दोपहर एक बजे से भव्य भंडारा व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समिति इस प्रकार है

मुख्य संरक्षकः नंदन यादव,संरक्षकः इंद्रजीत सिंह, संजू चौबे, अरुण यादव

अध्यक्षः चंदन यादव, कार्यकारी अध्यक्ष :सोमनाथ बाउरी ,सचिव : आदित्य शर्मा, कोषाध्यक्ष : अभिजित बाउरी, अभिषेक कुमार,

उपाध्यक्ष : राजेश भैया (राजू)आनंद शंकर, सौरभ सिंह, मन्नू चौधरी, अरविंद यादव,संतोष यादव, दशरथ प्रसाद, दीपक राम,गोपाल उपाध्याय,रवि राज,संजय चौधरी,अमित पांडे,अमित यादव, राजू ठाकुर,रितेश पासवान , मुकेश सिंह (टूलू) , सुब्रता भटाचार्य, अजय मिश्रा, नंदू कुमार, मनोज यादव, भूपेंद्र कुमार, अरुण बाउरी, मुकुल प्रसाद, जितेंद सिंह, अभिषेक बिल्लू, स्वराज बोस,मनोज राय, नित्यालाल सिंह, सुमित जैसवाल , पी शिवा राव, प्रखर शर्मा,राजकुमार यादव , प्रभात कुमार (बच्चन) चंदन कुमार , सुनील कुमार, अमन यादव , आलोक चौधरी,प्रमोद गुप्ता, मृत्युंजय सिंह, अमन सिंह

महामंत्रीः सोनू कुर्जु, मोहित कुमार, अरविंद महतो, अभिजित महतो, सुन्नी कुमार, सुन्नी कुमार 2,चंचल पासवान, विवेक कुमार, प्रखर कुमार, रोहित महतो, राहुल महतो अजय यादव, अनिकेत भोग : पवन चौधरी, दीपक राम, अमित यादव, सुब्रता भटाचार्य, राहुल महतो अमन यादव महिला दस्ताःआरुशि वंदना, डॉ रजनी चंदा लॉवेलि गुप्ता, पी कृतिका राव , मीरा गुप्ता

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–सावरी देवी, उम्र–37 वर्ष, उँचाई–4 फीट, रंग–सॉवला, पहनावा–काला रंग का पेटिकोट एवं लाल रंग का ब्लाउज पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सावरी देवी, उम्र–37 वर्ष, पति–सुरेश बिरहोर, ग्राम–लाधुप बिरहोर टोला, थाना–सिल्ली, जिला–रॉंची जो दिनांक–10.02.2026 को ईलाज के लिए रॉंची ले जाने के दौरान बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में सिल्ली थाना सनहा संख्या–10/2026, दिनांक–11.02.2026 दर्ज कर इनकी खाजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉंची। –9431770066

थाना प्रभारी, सिल्ली, रॉंची। –9431706153

वरीय पुलिस अधीक्षक,
रॉंची।

PR 374543 (Police) 25-26 (D)

राज्यपाल से मिले हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कई मुद्दों पर हुई चर्चा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः आज हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष (युवा) हरे कृष्ण महाराज ने राजभवन में महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने महामहिम का स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

भेंट के दौरान झारखंड के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य, युवाओं की बढ़ती भूमिका तथा राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। महामहिम राज्यपाल का दीर्घ प्रशासनिक एवं राजनीतिक अनुभव हम जैसे युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर श्री हरे कृष्ण महाराज ने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) झारखंड निरंतर जनता की आवाज को सशक्त करने तथा युवाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में आगे लाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राजभवन तक पहुँची युवाओं की यह सकारात्मक दस्तक इस बात का संकेत है कि झारखंड की राजनीति में नई सोच, नई ऊर्जा और जनसरोकार की राजनीति को और मजबूती मिल रही है। आने वाले समय में पार्टी युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यालय गुमला नगर परिषद, गुमला

पत्रांक .... **वित्तीय वर्ष 2026–27** दिनांक ....

सैरात बन्दोबस्ती सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 (माह 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक) के लिए गुमला नगर परिषद द्वारा नीचे सारणी में वर्णित सैरात की वार्षिक बन्दोबस्ती हेतु खुला डाक दिनांक 19.03.2026 दिन गुरूवार को नगर परिषद, गुमला के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी।

क्र० सं०	सैरात का नाम	न्यूनतम डाक की राशि (रू० में)	जमानत की राशि (रू० में)	आवेदन प्रपत्र शुल्क (रू० में)
Group : A (बंदोबस्ती का स्थल : नगर परिषद, गुमला सभाकक्ष, समय : 12:00 बजे अपराह्न)				
1	ललित उरांव बस पड़ाव एवं लोहरदगा रोड बस डिपू स्थित बस पड़ाव वाहन शुल्क वसूली की बन्दोबस्ती। (मात्र बसों का)	82,94,000/-	8,29,500/-	20,000/-
2	गुमला बाजार टांड़ क्षेत्रान्तर्गत (टावर चौक से पंजाबी गली होते हुए इस्लामपुर चौक तक, इस्लापुर चौक से कुरैशी मुहल्ला होते हुए चांदनी चौक तक, चांदनी चौक से बाजार टांड़ पानी टंकी होते हुए सिसई रोड प्रकाश होटल तक एवं प्रकाश होटल से बड़ाईक पेट्रोल पम्प होते हुए पंजाबी गली तक) बाजार/हाट मात्र की बन्दोबस्ती।	41,58,000/-	4,16,000/-	10,000/-
3	सम्पूर्ण नगर परिषद, गुमला क्षेत्रान्तर्गत (शक्ति मार्केट और टंगरा मार्केट शेड को छोड़कर) स्थित फुटपाथ दुकान, ठेला पर बेचने वाले फल दुकान, सब्जी दुकान, गुमटी एवं अन्य छोटे दुकान की बन्दोबस्ती।	22,67,100/-	2,26,800/-	10,000/-
Group : B (बंदोबस्ती का स्थल : नगर परिषद, गुमला सभाकक्ष, समय : 03:00 बजे अपराह्न)				
4	अनुमण्डल दण्डाधिकारी, गुमला पुराना कार्यालय के सामने कोर्ट परिसर में निर्मित पार्किंग क्षेत्र में साईकिल, दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन, चार पहिया वाहन एवं अन्य वाहनों की पार्किंग हेतु वार्षिक बन्दोबस्ती।	4,12,500/-	41,300/-	10,000/-
5	जशपुर रोड स्थित बिरसा मुण्डा एग्रो पार्क के घेराबंदी से सटकर खाली पड़े क्षेत्र में पार्किंग मात्र की बंदोबस्ती।	1,50,000/-	15,000/-	1,000/-
6	सिसई रोड में संचालित तीन पहिये एवं चार पहिये वाहनों से वसूली हेतु बन्दोबस्ती।	13,20,000/-	1,32,000/-	10,000/-
7	पालकोट रोड में संचालित तीन पहिये एवं चार पहिये वाहनों से वसूली हेतु बन्दोबस्ती।	14,19,000/-	1,42,000/-	10,000/-
8	जशपुर रोड एवं लोहरदगा रोड में संचालित तीन पहिये एवं चार पहिये वाहनों से वसूली हेतु बन्दोबस्ती।	15,00,000/-	1,50,000/-	10,000/-
9	गुमला नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत विज्ञापन की बन्दोबस्ती।	5,36,800/-	53,700/-	10,000/-

संबंधित व्यक्ति को डाक में भाग लेने हेतु दिनांक 18.03.2026 तक कार्यालय अवधि में आवेदन प्रपत्र के साथ जमानत की राशि, आवेदन प्रपत्र शुल्क की राशि से संबंधित कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराया गया रसीद व अन्य आवश्यक दस्तावेज कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। बैठक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति आवेदन की निर्धारित राशि (जो कि बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक के रूप में होगा एवं कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, गुमला के नाम से प्रतिज्ञित होगा) दिनांक 16.03.2026 से 17.03.2026 तक कार्यालय अवधि में जमा करते हुए आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात किसी भी परिस्थिति में आवेदन स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। जमानत की राशि बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा, जो कि कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, गुमला के नाम से प्रतिज्ञित होगा। आवेदन के साथ जमानत की राशि जमा नहीं करने वाले व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग नहीं लेंगे। नियम एवं शर्त्तो की विस्तृत जानकारी नगर परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट एवं संबंधित कर्मी से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन शुल्क Non Refundable होगा।

प्रशासक
नगर परिषद, गुमला

PR 374466 District(25-26).D

19वां पावन प्रज्ञा पुराण : पांच दिवसीय यज्ञीय अनुष्ठान आज से शुरू , निकाली गयी मंगल कलश यात्रा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः अखिल विश्व गायत्रीपरिवार के विचार क्रांति अभियान अंतर्गत मनुष्य में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग के अवतरण लक्ष्याधीन में नए युग के वैचारिक प्रदूषण एवं उनसे उपजी समस्याओं से निपटने के लिए 19वां पावन प्रज्ञा पुराण का नवसृजन कर युग प्रणेता परम पूज्य गुरुदेव वेदमूर्ति-तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य के आध्यात्मिक समाधान पर मंच संचालन करते हुए रांची जिला सप्त आन्दोलन समन्वयक नीरज कुमार ने संक्षिप्त प्रकाश डाला। प्रमोद कुमार एवं रणवीर कुमार ने दिव्य कलश पूजन पूर्व जयघोष, मंत्र पाठ, सद्गुरु वंदना कर प्रज्ञा गीतों के माध्यम से माहोल सृजन कर तीन गीत गाए। मां गायत्री सच्ची माता ! देकर हमें सहारा अपना लीजिए, बेड़ा पार कीजिए मां, हमें तार दीजिए।

मनुज देवता बने, बने यह धरती स्वर्ग समान, यही संकल्प हमारा।

कलश पूजन दौरान प्रज्ञा गीत में आओ आओ बहिन सुहागिन, दिव्य कलश सिर धारण करो। कलश के मुख में श्रीविष्णु सोहें,कण्ठ में शंकर सोहें, ब्रह्मा जी मूलाधार में सोहें। फिर दिव्य ज्योति-कलश रथ सहित पीताम्बरी माताओं -बहनों ने कलश पूजनोपरान्त वार्ड नं 46 की

पार्षद आरती देवी के सानिध्य व झण्डा प्रदर्शन में बैण्ड बाजा सहित मंगलकलश यात्रा शुभारंभ हुआ।

रथ यात्रा कार्यक्रम स्थल गणेश मैदान से निकलकर स्थानीय काली मंदिर, कृष्णापुरी रोड नं 1 व 7 होते हुए पुनः वापिस कार्यक्रम स्थल पर हुई। आज कार्यक्रम में स्थानीय महिला मंडल, प्रज्ञा मंडल,रांची मुख्य शक्तिपीठ, अल्कापुरी शक्तिपीठ, मंडलों और समन्वय समितिगठन के परिजन,कार्यकर्ता

भाई–बहनो: ने कार्यक्रम को

सजाया, संभाला। रेणु सिन्हा बहिने ने बताया कि आज से कार्यक्रम विवरण है।प्रथम दिवस मंगलवार 10 मार्च , प्रातः 09:00 बजे से मंगल कलश यात्रा + सायं 05:00 बजे से 8:00 बजे तक पावन प्रज्ञा पुराण की कथा।यह 11 मार्च 2026 से 15 मार्च 2026 तक कार्यक्रम निर्धारित है। मंच से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिशानिर्देश दिए गए।१. विशाल पुस्तक मेले का आयोजन,२. सभी संस्कार निःशुल्क होंगे,पर पूर्व में पंजीयन आवश्यक है.३. कलश यात्रा के लिए बहनें पीली साड़ी पहनकर ही आयें, ४. महायज्ञ में भागीदारी के लिए भारतीय वेशभूषा आवश्यक है।

कलश यात्रा में 551 कलशधारी रहीं। इनके वापस आने पर सबकी अक्षत पुष्प वर्षा से स्वागत अभिनन्दन करके महा आरती की गई।अंत में दिव्य कलश जल से सबको अभिसिंचन व शान्ति-पाठ तथा भोजनोपरान्त दोपहर विराम दिया गया। यह कार्यक्रम 9 से12:30 बजे हुआ।

सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

सुरक्षा बलों से सीखें पर्यावरण संरक्षण

देश की सीमाओं और राष्ट्र के भीतर आंतरिक सुरक्षा के मोर्चों पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की भूमिका से पूरा जग वाकिफ है। ये सुरक्षा बल सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सीमा को सुरक्षित किए हुए हैं। देश में कभी कोई विपदा आती है, भूकंप जैसी आपदा या अन्य कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है, तब भी केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान मदद के लिए पहुंच जाते हैं। अब देश के पर्यावरणीय वातावरण को मजबूत करने का बीड़ा भी इन बलों ने उठाया है। अलग-अलग इलाकों में ग्यारह लाख से ज्यादा जवानों ने पांच साल में सात करोड़ से ज्यादा पौधे लगा दिए। पांच साल में ये पौधे पेड़ों का रूप ले चुके हैं। इनकी खासियत यह है कि इनमें ज्यादातर सौ साल से ज्यादा समय तक सलामत रहने वाले हैं। इससे हरियाली, ऑक्सीजन, बरसात सबकी स्थिति सुधर जाएगी, जो प्रकृति को संवारने में काम आएगी।

यहां यह उल्लेख करना भी आवश्यक होगा कि केंद्रीय सुरक्षा बलों ने प्रकृति में योगदान का यह काम देश की सुरक्षा के अपने मूल काम की कीमत पर नहीं किया है। इसका प्रमाण मांगने की जरूरत नहीं है कि देश की सुरक्षा इन बलों के लिए सर्वोपरि है, जिसके लिए वे हर समय सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने यह दर्शाया है कि अपने मूल काम को पूरा करते हुए भी कई मानव हितैषी कार्य किए जा सकते हैं। इस तरह के कार्य का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। सेना, केंद्रीय सुरक्षा बल और अर्द्ध सुरक्षा बलों के जवान कई जगह सामाजिक कुरीतियां दूर करने, शिक्षा के प्रचार-प्रसार, चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सहित कई कार्यों में योगदान करते रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण का काम इसी कड़ी में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो सभी के लिए प्रेरणादायी है और ऐसे कई समाजोपयोगी कार्यों के मार्ग प्रशस्त करेगा। नित-प्रतिदिन विकास के पथ पर प्रगति और इसमें कंक्रीट के जंगलों का निरंतर फैलाव हरियाली को लीलता जा रहा है। हर साल अरबों की संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं। तापमान में होती जा रही बढ़ोतरी और ग्लोबल वार्मिंग की बिगड़ती स्थिति इसका प्रमाण है कि काटे जा रहे पेड़ों के अनुपात में भरपाई नहीं हो रही है। निश्चित तौर पर इसमें दोष सरकारों और सरकारी नीतियों का है, पर केंद्रीय सुरक्षा बलों ने इसे सिर्फ सरकार का काम समझकर चुप बैठना गवारा नहीं किया। वे इस मैदान में कूदे और पर्यावरण संरक्षण में जुट गए। इस प्रयास का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि आज पर्यावरण संकट आम नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जब सुरक्षा बल जैसे अनुशासित और समर्पित संगठन इस दिशा में पहल करते हैं तो समाज को एक सशक्त संदेश मिलता है कि प्रकृति की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि सरकारी संस्थान, सामाजिक संगठन और आम नागरिक इसी भावना से आगे बढ़ें, तो हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बड़े परिवर्तन संभव हैं। केंद्रीय सुरक्षा बलों की यह पहल अनुकरणीय उदाहरण है।

शिक्षण संस्थानों में बच्चों से भेदभाव चिंताजनक

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून का उद्देश्य हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करना है लेकिन इस कानून के तहत दाखिला लेने वाले बच्चों से भेदभाव वाला बर्ताव होने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में डीएवी पब्लिक स्कूल में आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले बच्चों से मजदूरी और सफेदी कराने की खबर सचमुच झकझोरने वाली और इसी चिंता को बढ़ाने वाली है। इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा सचिव से जवाब मांगा है। बात सिर्फ छत्तीसगढ़ की ही नहीं, इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में निजी स्कूलों में विद्यार्थियों से भेदभाव के ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले दो वर्षों में चार स्कूलों पर ऐसे भेदभाव की शिकायतें दर्ज हुईं, जहां आरटीई में प्रवेश पाने वाले बच्चों को अन्य विद्यार्थियों के साथ बैठने, खाने या खेलने की अनुमति नहीं दी जाती थी। हरियाणा में निजी स्कूलों को दाखिला न देने पर मान्यता रद्द करने तक की चेतावनी दी गई, जबकि कर्नाटक में विज्ञान प्रयोगशालाओं और कम्प्यूटर लैब में आरटीई विद्यार्थियों को अलग रखे जाने की भी जानकारी सामने आई। दिल्ली, आंध्रप्रदेश और पंजाब में भी प्रवेश से इनकार, फीस मांगने या दस्तावेजों का खामियों को लेकर बहानेबाजी के मामले सामने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही आरटीई में 25 प्रतिशत आरक्षण को अनिवार्य बताते हुए दिशानिर्देश जारी किए, लेकिन इस दिशा में राज्य सरकारों के स्तर पर क्या कार्रवाई हुई, यह बड़ा सवाल है। ज्यादातर मामलों में सिर्फ चेतावनी या कारण बताओ नोटिस तक सीमित रही, जबकि कहीं स्कूलों की मान्यता नियमों के अवहेलना को लेकर रद्द हुई हो, ऐसे सख्त कदम शायद ही कहीं नजर आते हैं। निजी स्कूल सरकार के दबाव में अपने यहां दाखिला तो दे देते हैं, लेकिन वे इन बच्चों को दूसरे दर्जे का मानते हैं, क्योंकि वे फीस नहीं देते। इतना ही नहीं, कभी-कभी तो ऐसे बच्चों के साथ टीचर भी पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर बर्ताव करते हैं। सच तो यह है कि आरटीई जैसे कानून के मजबूत प्रावधान भी स्कूल संगठनों की लॉबिंग के चलते पूरी तरह लागू नहीं हो पाते। चूंकि भारत में आरटीई की कई कमजोरियां उजागर हो चुकी हैं, इसलिए इस दिशा में आ रही परेशानियों का समाधान जरूरी है।

सरकार को सख्त मॉनिटरिंग सिस्टम बनाना चाहिए जैसे नियमित निरीक्षण और शिकायत पोर्टल। नियमों की पालना नहीं करने वाले स्कूलों पर जुर्माना और मान्यता रद्द करने की नीति का कड़ाई से पालन किया जाना भी जरूरी है। जरूरत इस बात की भी है कि शिक्षण संस्थान अपने यहां शिक्षकों को भी संवेदनशीलता का प्रशिक्षण दें और अभिभावकों को जागरूक बनाएं। ऐसा तब ही संभव होगा जब जरूरतमंद बच्चों के साथ आर्थिक व सामाजिक आधार पर कम से कम शिक्षण संस्थानों में तो भेदभाव खत्म हो।

श्रमशक्ति नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बनें महिला किसान

महिला किसानों को प्रशिक्षण, तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच मिलनी चाहिए। कृषि विस्तार सेवाओं में लैंगिक दृष्टिकोण अपनाना होगा, ताकि महिलाओं की वास्तविक जरूरतों को समझकर योजनाएं बनाई जा सकें।

डॉ. एमएल जाट

भारत की कृषि केवल अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा भर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की आत्मा है। इस धरती को सदियों से जिन हाथों ने सींचा है, उनमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वे केवल खेतों में श्रम करने वाली सहयोगी नहीं, बल्कि भारतीय कृषि की असली आधारशिला हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश में कृषि और उससे जुड़े कार्यों में लगभग 60 से 70 प्रतिशत श्रम योगदान महिलाओं का है। लेकिन विडंबना यह है कि कृषि में इतना बड़ा योगदान देने के बाद भी महिलाओं को संसाधनों और निर्णय-निर्माण में बराबरी का स्थान नहीं मिल पाया है। भूमि स्वामित्व के मामले में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। आधुनिक तकनीक, कृषि प्रशिक्षण, वित्तीय सेवाओं और बाजार तक उनकी पहुंच भी सीमित रहती है। यह असंतुलन केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं है, बल्कि कृषि विकास की दृष्टि से भी बड़ी चुनौती है।

खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की एक रिपोर्ट बताती है कि यदि महिलाओं को पुरुषों के समान संसाधन, तकनीक और अवसर मिलें, तो कृषि उत्पादकता में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। इससे दुनिया भर में करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। स्पष्ट है कि महिला किसान का सशक्तीकरण केवल समानता की बहस नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास की अनिवार्य शर्त है।

आज कृषि की परिभाषा भी बदल रही है। पहले खेती केवल खेत तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब यह एक व्यापक कृषि-खाद्य प्रणाली का हिस्सा बन चुकी है, जिसमें उत्पादन से लेकर भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, विपणन और उपभोग तक की पूरी मूल्य श्रृंखला शामिल है।

इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। वे केवल उत्पादन में ही नहीं, बल्कि उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा चलाए जा रहे छोटे खाद्य उद्योग, जैविक उत्पादों का उत्पादन और स्थानीय बाजारों में उनकी सक्रिय भागीदारी इसका उदाहरण हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में भी महिला किसान की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के बीच महिलाएं पारंपरिक ज्ञान और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

बीज संरक्षण, जैविक खेती, जल प्रबंधन और पोषण आधारित कृषि जैसी पद्धतियां अक्सर महिलाओं के अनुभव और ज्ञान से ही विकसित हुई हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला किसान केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़ित नहीं, बल्कि समाधान की वाहक भी हैं। इन परिस्थितियों में आवश्यक है कि कृषि नीतियों में महिलाओं की भूमिका को केंद्र में रखा जाए। महिला किसानों को प्रशिक्षण, तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच मिलनी चाहिए। कृषि विस्तार सेवाओं में लैंगिक दृष्टिकोण अपनाना होगा, ताकि महिलाओं की वास्तविक जरूरतों को समझकर योजनाएं बनाई जा सकें। भूमि अधिकार, वित्तीय समावेशन और बाजार तक सीधी पहुंच, ये तीन ऐसे स्तंभ हैं जिन पर महिला किसान का सशक्तीकरण टिक सकता है। इसके साथ ही कृषि बजट और योजनाओं में लैंगिक दृष्टिकोण को शामिल करना समय की आवश्यकता है। महिला किसान को केवल श्रमशक्ति के रूप में नहीं, बल्कि कृषि विकास की निर्णायक शक्ति के रूप में पहचान देना आवश्यक है।

दोहरी त्रासदी के बीच गंभीर संकट में फंसा

क्या तेहरान ने अपनी वैचारिक नीतियों और रणनीतिक भूलों के कारण खुद को इस मोड़ तक पहुंचा दिया है? 1956, 1967 और 1973 के अरब-इजरायल युद्धों के समय ईरान अरब देशों के साथ नहीं था।

डॉ. खींवराज जांगिड़

मध्य-पूर्व लंबे समय से इजरायल और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव की आशंका से घिरा रहा है। पहले से ही अस्थिर हालात के बीच 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने पूरे क्षेत्र की भू-राजनीति को झकझोर कर रख दिया था। इस पूरे घटनाक्रम में ईरान ने लेबनान में हिज्बुल्लाह और यमन में हूती जैसे अपने सहयोगी संगठनों के जरिये महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, 2024 में और फिर जून 2025 में ईरान और इजरायल के बीच सीधे टकराव भी हुए, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा गया। इसी क्रम में 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिरका ने ईरान पर हमला किया। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई और उनके साथ ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के चालीस से अधिक वरिष्ठ कमांडर और शीर्ष अधिकारी मारे गए। हैरानीजनक यह रहा कि पिछले एक महीने से अमेरीकी युद्धपोतों की भारी तैनाती के बावजूद ईरान इस हमले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था।

खामेनेई की हत्या ईरानी शासन के केंद्र पर सबसे गंभीर हमलों में से एक मानी जा रही है। हालांकि ईरान के भीतर खामेनेई के विरोधी भी मौजूद रहे हैं, लेकिन उनकी इस तरह की मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। ईरानियों को अभी तक इस आघात से उबरने और ठीक से शोक मनाने का भी अवसर नहीं मिला है। यह केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक और रणनीतिक जोखिम है, जिसके दूरगामी परिणाम पूरे क्षेत्र में दिखाई दे सकते हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसे नियंत्रित करने की कोशिशों को लेकर दशकों से विवाद चलता रहा है। लेकिन मौजूदा स्थिति आर-पार की लड़ाई जैसा निर्णायक टकराव लग रही है। यह भी बड़ा सवाल है कि अरब देश और क्षेत्र के तुर्की जैसे बड़े देश ईरान की मौजूदा स्थिति के प्रति लगभग उदासीन क्यों हैं? क्या तेहरान ने अपनी वैचारिक नीतियों और रणनीतिक भूलों के कारण खुद को इस मोड़ तक पहुंचा दिया है? 1956, 1967 और 1973 के अरब-इजरायल युद्धों के समय ईरान अरब देशों के साथ नहीं था। 1950 में, तुर्की के बाद उसने इजरायल को मान्यता दे दी थी। उसी वर्ष भारत ने भी ऐसा किया था। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन में ईरान और इजरायल के बीच कई साझा हित थे। दोनों मिस्र के नेता नासिर के पैन-अरबवाद और सोवियत साम्यवाद से आशंकित थे। औपचारिक राजनयिक संबंध न होने पर भी तेहरान में इजरायल का व्यापार मिशन था और दोनों के बीच मजबूत खुफिया सहयोग था। 1960-70 के दशक में ईरान इजरायल को तेल बेचता था और सैन्य-तकनीकी सहयोग के साथ दोनों देशों के संबंध काफी घनिष्ठ थे। लेकिन 1979 की इस्लामी क्रांति ने पूरा परिदृश्य बदल दिया। खामेनेई के नेतृत्व में शिया धर्मगुरुओं ने शाह के खिलाफ चल रहा जन आंदोलन अपने नियंत्रण में ले लिया और उसे कट्टर इस्लामी जामा पहना दिया। खामेनेई ने अमरीका-इजरायल को पश्चिमी भ्रष्टाचार के प्रतीक तथा इस्लाम के दुश्मन के रूप में पेश किया।

2017 में इस वैचारिक शत्रुता के प्रतीक रूप में तेहरान में एक 'डूम्सडे क्लॉक' लगाई गई, जो 2040 तक इजरायल के कथित विनाश की उलटी गिनती दिखाती है। यह घड़ी 2015 में अयातुल्लाह खामेनेई द्वारा दिए गए उस बयान से प्रेरित थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2040 तक इजरायल का वजूद मिट जाएगा। इस बीच, ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और परमाणु कार्यक्रम से अपनी सैन्य शक्ति को तो काफी मजबूत किया, लेकिन वह अपने लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय मित्र नहीं बना पाया। मध्य-पूर्व में अमेरिका विरोधी माहौल बनाने के लिए चीन और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ईरान का समर्थन जरूर किया, लेकिन यह समर्थन अधिकतर औपचारिक या कूटनीतिक ही रहा। यहां तक कि निकटवर्ती पड़ोसी खाड़ी देशों, मिस्र, जॉर्डन, लेबनान और सीरिया के साथ भी ईरान स्थायी और भरोसेमंद गठबंधन बनाने में सफल नहीं हो पाया। इसके पीछे दो प्रमुख कारण रहे। पहला, 1979 की शिया क्रांति के बाद ईरान ने शिया इस्लाम के प्रसार को अपना मिशन बना लिया, जिससे सुन्नी बहुल अरब देश असहज हुए। दूसरा, ईरान ने क्षेत्र में अपनी राजनीतिक और सैन्य पकड़ बढ़ाने के लिए लेबनान में हिज्बुल्लाह, यमन में हूती और इराक में हश्द अल-शाबी जैसे 'प्रॉक्सीइ संगठन खड़े किए। गाजा में हमास को दिया गया समर्थन भी इसी रणनीति का हिस्सा था।

पिछले दो वर्षों में ईरान के कई क्षेत्रीय सहयोगी कमजोर हुए हैं और हिज्बुल्लाह के हाथ भी बंध गए हैं। आज ईरानी शासन बाहरी सैन्य दबाव और अंदरूनी असंतोष से जूझ रहा है। वर्षों से लगे आर्थिक प्रतिबंध, युवाओं का असंतोष, महिलाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन और नई पीढ़ी का मोहभंग, इन सबने क्रांति की मूल विचारधारा को कमजोर कर दिया है। फिलहाल जल्द सत्ता परिवर्तन की संभावना भी नहीं दिखती। लेकिन सर्वोच्च नेता की हत्या ने ईरानी शासन को कमजोर जरूर किया है। यह टकराव केवल अमरीका-इजराइल और ईरान के बीच एक और अध्याय नहीं है, बल्कि इस्लामी गणराज्य की वैचारिक और प्रशासनिक क्षमता की बड़ी परीक्षा भी है। यदि तेहरान ने जल्दबाजी में आक्रामक कदम उठाए, तो इससे पूरे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष भड़क सकता है और देश के भीतर भी अस्थिरता बढ़ सकती है। इसलिए कमजोर छवि बना चुके ईरान को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा और बदली परिस्थितियों के साथ आगे बढ़ना होगा।

क्या खुशी को महसूस करने के लिए दुःख

चिंतन-मनन

मानव जीवन अनेक प्रकार की भावनाओं से प्रभावित होता है, जो हमारे अनुभवों को गहराई और अर्थ प्रदान करती हैं। कुछ भावनाएं सुखद होती हैं, जैसे आनंद, शांति और संतोष, जबकि कुछ भावनाएं असुविधाजनक होती हैं, जैसे दुःख और भय। दोनों ही प्रकार की भावनाएं जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कई भावनाओं का विकास इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने मानव अस्तित्व, सीखने की क्षमता और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत किया।

अक्सर खुशी और दुःख की साथ-साथ चर्चा होती है। अधिकांश लोग खुशी को जीवन का एक प्रमुख लक्ष्य मानते हैं। वहीं दुःख भी एक स्वाभाविक और अर्थपूर्ण भावना है। यह हानि का संकेत दे सकता है, आत्मचिंतन को बढ़ावा दे सकता है और व्यक्ति को सहायता या समझ की तलाश के लिए प्रेरित कर सकता है। फिर भी, दुःख से जुड़ी कुछ धारणाएं उसके महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करती हैं या उसे गलत रूप में समझती हैं। पहली धारणा कि खुशी को महसूस करने या उसका मूल्य समझने के लिए दुःख आवश्यक है। इस धारणा के समर्थन में ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिलते। शोध बताते हैं कि खुशी का अनुभव करने या उसकी सराहना करने के लिए दुःख का अनुभव अनिवार्य नहीं है। लोग बिना किसी पूर्व दुःख के भी खुशी को महसूस कर सकते हैं।

इसके अलावा, सकारात्मक और नकारात्मक भावनाएं किसी एक ही पैमाने के दो छोर नहीं हैं; वे एक-दूसरे से स्वतंत्र भी हो सकती हैं और एक साथ भी अनुभव की जा सकती हैं। हां, कभी-कभी तुलना के कारण सुखद अनुभव अधिक स्पष्ट महसूस हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि खुशी के लिए दुःख जरूरी है। दूसरी धारणा कि लोग दुःख से सीखते हैं, खुशी से नहीं। सीखना केवल दुःख पर निर्भर नहीं करता। आधुनिक शोध यह स्पष्ट करते हैं कि सीखने के लिए दुःख न तो आवश्यक है और न ही सर्वोत्तम माध्यम। तीसरी धारणा कि दुःख रचनात्मकता को जन्म देता है। इस धारणा का भी शोध में लगातार समर्थन नहीं मिलता। रचनात्मकता पर किए गए अनेक अध्ययनों से यह संकेत मिलता है कि सकारात्मक भावनात्मक अवस्थाएं रचनात्मक सोच को कुछ हद तक बढ़ावा देती हैं, जबकि दुःख और अन्य नकारात्मक भावनाएं ऐसा भरोसेमंद रूप से नहीं करतीं।

आपके पत्र

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

हमारे देश की क्रिकेट टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड को फाइनल में हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की। भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर यह कहा जा सकता है कि सुनो गौर से दुनिया वालो, चाहे जितना जोर लगा लो, सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी। यह भारत के लिए सचमुच गर्व की बात है। हमारे देश की क्रिकेट टीम के अब तक जो भी कप्तान रहे हैं, सभी के नेतृत्व में टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन भी किया है, हालांकि कभी-कभी हार का भी सामना करना पड़ा है। खेल में हार-जीत चलती रहती है।

खेल को खेल की भावना से ही लेना या देखना चाहिए। वर्ल्ड कप में हमारे देश का प्रदर्शन अब तक बहुत अच्छा रहा है। हमारे देश की टीम दुनिया की नंबर वन टीम भी है।

संजय आनंद, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पीपल के पेड़ में टकराया दो युवक की मौत

साहिबगंज : जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही घायल हो गया। यह घटना लगभग 12:30 बजे रात की बताई जा रही है। साहिबगंज के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के घोड़ामाडा पुल स्थित डेरा के पास हुई। जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पीपल के पेड़ से जा टकराई। इस अफसर पर स्थानीय लोगों के द्वारा मुफस्सिल थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी गई सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनीश पांडे के द्वारा गश्ती दल को भेज कर घटनास्थल पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त दोनों युवक को इलाज हेतु जिला सदर अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।मिली जानकारी के अनुसार सनोज कुमार यादव तालबन्ना निवासी और बादल कुमार यादव शोभापुर भट्टा का रहने वाला है। इस संबंध में परिजनों ने बताया कि सोमवार की रात्रि महादेवगंज शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा था। जो ऐसी घटना घट गई।जबकि थाना प्रभारी अनीश पांडे ने बताया कि यह दोनों अपना मोटरसाइकिल घर में लगाकर चला गया और शादी समारोह में ही से मोटरसाइकिल लेकर साहिबगंज रेलवे स्टेशन पान खाने के लिए आया था। जो लौटने के क्रम में मोटरसाइकिल तेज रफ्तार में थी जो आमंत्रित होकर पीपल के पेड़ में जा टकराया जिससे यह घटना घटी है। हालांकि दोनों युवक जिला सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की बैठक सम्पन्न

साहिबगंज/बोरियो : प्रखण्ड कार्यालय में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बोरियो नागेश्वर साव की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य बूथ स्तर पर चुनाव से संबंधित कार्यों की जानकारी देना एवं विभिन्न आवश्यक दिशानिदेशों पर चर्चा करना था।बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बूथ लेवल एजेंट उपस्थित रहे।इस अवसर पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की ओर से प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू,सचिव गफ्फार अंसारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रिजवान अंसारी सहित लगभग 110 बूथों से पार्टी के वीएलए शामिल हुए।बैठक के दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने बूथ स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखने,मतदाता सूची से संबंधित कार्यों तथा निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे और निर्वाचन कार्यों में प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

निहारिका ने साहिबगंज को गौरवांवित किया : अध्यक्ष

साहिबगंज : यूपीएससी क्रैक कर साहिबगंज लौटने पर निहारिका सिन्हा के अभिनंदन के लिए हर खास ओ आम का उसके घर पर तांता लग रहा है। इस कड़ी में नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने समर्थकों के साथ निहारिका सिन्हा के घर पहुंच कर गुलदस्ता भेंट कर उनका भव्य अभिनंदन किया।इस दौरन नगर परिषद अध्यक्ष ने निहारिका की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि निहारिका ने साहिबगंज को गौरवांवित किया है।उनसे साहिबगंज के छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी।निहारिका की सफलता से साहिबगंज अभिभूत है।उन्होंने निहारिका के उज्जवल भविष्य की कामना की।साथ ही निहारिका के माता-पिता व परिजनों का आभार जताते हुए कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।सभी अभिभावकों को इससे सबक लेते हुए अपने बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने के लिए कोशिश करनी चाहिए।मौके पर राजू अंसारी,आकाश चौधरी,अंकित,राहुल पासवान,दीपक पासवान,सहित अन्य मौजूद थे।

पलामू के 22 खाद्य प्रतिष्ठान के नमूना जांच में फेल, होगी कार्रवाई

पलामू : पलामू के 22 खाद्य प्रतिष्ठान के नमूना जांच में फेल, होगी कार्रवाई मेदिनीनगर, प्रतिनिधि। पलामू जिले के 22 खाद्य प्रतिष्ठान के नमूने खाद्य विश्वेषक जांच रिपोर्ट में फेल पाए गए है। कुछ समय पहले जांच में इन खाद्य प्रतिष्ठानो से अलग अलग सैंपल प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में नमूने के फेल का खुलासा हुआ। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में प्रत्येक महीने खाद्य प्रतिष्ठान की जांच की जाती है। हाल ही में जांच के पश्चात लैब भेजे गए नमूने की रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट में फेल पाए हुए प्रतिष्ठानों के ऊपर वाद दायर किया जाएगा। वाद के पश्चात आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सतबरवा के चर्चित कलाकंद, खीरमोहन, खोआ में भी मिलावट पाई गई है। सभी के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी खाद्य प्रतिष्ठान उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्य साम्रगी दे।

युवाओं को मिलेगा डिजिटल संसाधनों करियर मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का नया मंच : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की भावना को आगे बढ़ाते हुए जिले में युवाओं के शैक्षणिक और करियर विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ह्लकरियर गाइडेंस फेस्टह्व एवं फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन आज उपायुक्त हेमंत सती के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही मार्गदर्शन भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकांश छात्र-छात्राओं को यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि 10वीं या 12वीं के बाद उनके सामने कितने व्यापक करियर विकल्प उपलब्ध हैं। प्रायः विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर या कुछ पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित जानकारी रखते हैं, जबकि आज के दौर में करियर के असंख्य नए अवसर उपलब्ध हैं।उन्होंने छात्रों से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अपने जीवन में एक स्पष्ट लक्ष्य और सपना निर्धारित करना बहुत जरूरी है। सपना केवल कल्पना नहीं, बल्कि ऐसा लक्ष्य होना चाहिए जिससे व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़े। यदि विद्यार्थी समय रहते अपने लक्ष्य के

बारे में सोचेंगे और उसके अनुसार तैयारी करेंगे तो वे अपने जीवन में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।उपायुक्त ने कहा कि के समय में इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से ज्ञान के असीमित स्रोत उपलब्ध हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। इस लाइब्रेरी में आधुनिक कंप्यूटर, उच्च गति का वाई-फाई, डिजिटल अध्ययन सामग्री तथा शांत अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया गया है, जिससे छात्र-छात्राएं घर बैठे प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकें।उन्होंने बताया कि यह लाइब्रेरी सुबह 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी और यहां बहुत ही न्यूनतम शुल्क पर छात्रों को अध्ययन की सुविधा दी जाएगी। साथ ही समय-समय पर करियर गाइडेंस, मोटिवेशनल सेशन तथा विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे ताकि युवाओं को सही दिशा मिल सके। उपायुक्त ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत आज एक डेमोग्राफिक डिविडेंडह्व वाला देश है, अर्थात देश की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। यदि युवा अपनी ऊर्जा और क्षमता का सही उपयोग करेंगे तो देश तेजी से प्रगति करेगा ।लेकिन यदि युवा अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पाए तो यही अवसर चुनौती में भी बदल सकता है। इसलिए युवाओं को गंभीरता से पढ़ाई, कौशल विकास और करियर निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने संबोधन में कहा कि फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी केवल एक भवन या पुस्तकालय नहीं है, बल्कि यह जिले के युवाओं के सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। डिजिटल माध्यम के जरिए विद्यार्थियों को नई-नई जानकारियां, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, अध्ययन सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर मिलेंगे।साथ ही आयोजित करियर गाइडेंस फेस्ट के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को करियर के विविध विकल्पों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कौशल विकास तथा रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने भविष्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। जबकि अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस मतीन तारीक सहित अन्य अधिकारी, शिक्षकगण, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे डिजिटल लाइब्रेरी का अधिक से अधिक उपयोग करें, अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करें तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

उधवा में मनरेगा कर्मियों की तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल शुरू

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड कार्यालय परिसर में मनरेगा से जुड़े कर्मियों ने विभिन्न मांगों के समर्थन में सोमवार से तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के कारण प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा से संबंधित कई विकास योजनाओं का कार्य प्रभावित हो गया है। मनरेगा कर्मियों ने बताया कि वे लंबे समय से सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें लगातार उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इसी के विरोध में वे सांकेतिक हड़ताल पर जाने को मजबूर हुए हैं। कर्मियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति बनाना, राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों के समान वेतन संरचना ग्रेड-पे लागू करना स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मृत्यु मुआवजा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्रदान करना, कई महीनों से लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान करना तथा मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा मानदेय भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करने और अनावश्यक कार्यभार व अव्यावहारिक लक्ष्य निर्धारण पर रोक लगाने की भी मांग की गई है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि पिछले लगभग 12 महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है। कर्मियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 11 मार्च तक चलने वाली इस सांकेतिक हड़ताल के दौरान सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है, तो 12 मार्च से वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। मौके पर मनरेगा बीपीओ प्रियरंजन कुमार, ग्राम रोजगार सेवक माउद आलम, महाताब आलम, हफीजुर रहमान, असरफ अली, मोहम्मद हसनुजमान, विद्युत मिर्धा, गिलवट सोरेन सहित कई मनरेगा कर्मी मौजूद थे।

पंचायत सचिवों व प्रज्ञा केंद्र संचालकों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में सोमवार को प्रखंड स्तरीय पंचायत सचिवों, प्रज्ञा केंद्र संचालकों, पंचायत सहायकों एवं पेसा मोबलाईजर्स की एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने की। बैठक के दौरान प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने पंचायत ज्ञान केंद्र के सुदृढ़ीकरण, पंचायत सहायता केंद्र, प्रज्ञा केंद्र संचालन, रात्रि प्रहरी की व्यवस्था, बायोमेट्रिक उपस्थिति, इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली बिल का भुगतान, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता तथा शौचालयों में पानी की व्यवस्था जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा की। इसके अलावा पंचायत कर्मियों को प्रत्येक कार्य दिवस पर सचिवालय भवन में बैठकर कार्य करने, रोस्टर एवं रोस्टर सूची का अनुपालन सुनिश्चित करने, मासिक कार्यकारिणी बैठक तथा मासिक समन्वयक समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मौजूद पंचायत कर्मियों को कार्यों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं गति लाने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, प्रखंड समन्वयक विनोद मरांडी, पंचायत सचिव संतोष कुमार सुमन, सत्यनारायण रजवार, मोनिका मुर्मू, प्रेमचंद रजक, शिवराम मुर्मू, नुकुल कुमार, पंचायत सहायक पवन कुमार मंडल, दीपक कुमार शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ विधायक निसात आलम ने जलापूर्ति योजना को लेकर विधानसभा मे भेजा निवेदन

साहिबगंज/बरहरवा : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से करोड़ों रुपए की लागत से कोटलपोखर बाजार के लिए बनाया गया ग्रामीण जिला पूर्ति योजना पिछले 1 वर्ष से बंद पड़ा हुआ है जिस कारण यहां के लोगों को शुद्ध पेयजल प्राप्त नहीं हो रहा है। पूरे मामले को लेकर पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने कोटालपोखर ग्रामीण जलापूर्ति योजना को लेकर झारखंड विधानसभा में निवेदन पत्र भेजा है।विधायक निसात आलम ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें जानकारी प्राप्त हुआ है कि जलापूर्ति योजना पिछले 1 साल से ठप पडा हुआ है जबकि यह योजना सरकार ने पूर्ण कर ग्रामीणों के लिये सौंप दिया है जबकि यहां पर विभागीय लापरवाही एवं कुछ अन्य गड़बड़ी के कारण यह योजना बंद पड़ा हुआ है।उन्होंने पूरे मामले को लेकर विधानसभा समिति विभागीय मंत्री एवं विभागीय सचिव को इस संबंध में वार्ता भी किया है उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण के लिए काफी वरदान साबित हो रहा था लेकिन पिछले एक वर्ष से बंद रहने के कारण काफी दिक्कत हो रही है कई लोगों को आज भी बाजार से खरीद कर शुद्ध पेयजल पीना पड़ रहा है जबकि सरकार ने शुद्ध पेयजल के लिए बड़ा सा टंकी एवं पाइपलाइन का निर्माण करवाया है यहां पर पानी गुमानी नदी से सीधे पहुंचता है और फिल्टर होकर पूरे बजार में सप्लाई होता है विधायक ने बताया कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि उक्त योजना को चालू करने को लेकर जल्द पहल करते हुए लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा ।

टमटम स्टैंड के पास मृत जानवर से फैल रही दुर्गंध

साहिबगंज : जिला के कॉलेज रोड स्थित टमटम स्टैंड और बड़े पुल शुगर नाला के पास पिछले कई दिनों से मरे हुए सूअर फेंके जाने के कारण क्षेत्र में असहनीय दुर्गंध फैल गई है। इस गंभीर समस्या को लेकर बजरंग दल के जिला प्रसार प्रमुख पंकज कुमार मंडल ने गहरी चिंता व्यक्त की है। और नगर परिषद प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।पंकज कुमार मंडल ने कहा कि यह मार्ग शहर का मुख्य केंद्र है। जहाँ से प्रतिदिन हजारों छात्र, यात्री और श्रद्धालु गुजरते हैं। धूप और गर्मी के कारण मृत पशुओं के अवशेष सड़ने लगे हैं, जिससे न केवल राहगीरों का वहां से गुजरना दूभर हो गया है। बल्कि महामारी और संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी भारी खतरा पैदा हो गया है।उन्होंने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से मांग की है। कि सफाई दस्ते को भेजकर मृत पशुओं को तुरंत वहां से हटवाया जाए और पूरे क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर व कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए।

स्कूल से लेकर ग्रेजुएशन तक के शिक्षक और फैमिली का सपोर्ट हमेशा मिला : निहारिका

संवाददाता

साहिबगंज : हौसला बुलंद हो तो कोई भी कठिनाई पार किया जा सकता है, घर में रहकर सिविल सर्विसेज की तैयारी करके सबसे कठिन परीक्षा यूपीएससी पास करके 365 अंक लाई निहारिका के साहिबगंज पहुंचने पर परिवार जन दोस्त रिश्तेदार स्थानीय लोग व सहकर्मियों ओर समाजसेवियों ने स्टेशन में बुके देकर व अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया।वही बैंड बाजा के साथ भव्य स्वागत किया गया। निहारिका बड़ी दुर्गा मंदिर ओर बड़ा बजरंगबली मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना किया ओर मोहल्ला के बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।वही घर में प्रेस वार्ता कर के निहारिका ने कहा कि मई 2024 में मेरी यूपीएससी की जर्नी शुरू

हुई।दूसरे प्रयास में 365 रैंक मिला।स्कूल से लेकर ग्रेजुएशन तक के शिक्षक और फैमिली का स्पोर्ट हमेशा मिला।मेरे अभिभावक ने हमेशा मेरा साथ दिया। कभी तनाव नहीं दिया।यूपीएससी का ऑनलाइन मैटेरियल बहुत सारा है, उससे पढ़ाई करे।अगर 3- 4 बार फेलियर हो गये है तो बैकअप प्लान तैयार रखे।जिसमें सबसे ज्यादा मजबूत है वही सब्जेक्ट को अपना ऑप्शनल सब्जेक्ट रखे।सबसे पहले सलेब्स को बढ़िया से देखे उसके बाद ऑप्शनल सब्जेक्ट चूस करे।खुद रिसर्च करे, सेल्फ स्टडी करे,अपने ऊपर कॉन्फिडेंस रखे,हर परीक्षा में सफलता मिलेगी। निहारिका ने कहा कि रैंक के हिसाब से जो भी पोस्ट मिलेगा,जनता का बेहतरीन सेवा दूंगी।जमीन से हमेशा जुड़ी रहूंगी।वही उन्होंने अभिभावकों से अपील किया कि बेटियों के एजुकेशन पर ध्यान दे,बेटियों को बेहतरीन शिक्षा दे,तनाव या दबाव न दे।महिलाओं को घर का स्पोर्ट चाहिए,स्पोर्ट मिलेगा तो बेटियां कुछ भी कर सकती है।वही निहारिका ने बताया कि मैं प्रतिदिन 8 से 12 घंटा की सेल्फ पढ़ाई करती थी।सोशल मीडिया ओर मोबाइल का उपयोग सिर्फ डिजिटल पढ़ाई और पढ़ाई से रिलेटेड मैटिरियल उपाय करने के लिए करती थी।पूरा फोकस मेरा अपना गोल पर यूपीएससी परीक्षा पास करने पर था।वही पिता निरंजन सिन्हा ने कहा कि बेटी की सफलता पर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा है,कभी भी बेटी को डिप्रेशन में नहीं डाले,पढ़ाई के प्रति हर कुछ पूरा किये। सिम्पल लिविंग हाय थिंकिंग मेरा उद्देश्य रहा है।शिक्षा देना मेरा उद्देश्य है।इसलिए मैं अपने बच्चों को शिक्षा दिया।ईश्वर की कृपा रहा,उनकी कृपा से आज बहुत कुछ मिला।वही नर्स माँ शबनम कुमारी ने कहा कि बेटी बहुत ज्यादा मेहनत की,सबका स्पोर्ट रहा कि आज बेटी सबसे बड़ा परीक्षा पास की।परिवार शिक्षा पर काफी ध्यान दिया।हमें उम्मीद थी कि मेरी बेटी एक दिन सफल अवश्य होगी।मैं हमेशा कहती थी कि धैर्य नहीं खोना है।बच्चों के बीच अनुशासन सर्वोपरि है।बच्चों में अनुशासन रखे।

10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म अल्फा

यश राज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म अब 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस घोषणा के साथ ही यश राज फिल्म्स, आलिया भट्ट और शर्वरी ने सोशल मीडिया पर एक बिल्कुल नया टीजर पोस्टर भी साझा किया। इस पोस्टर में आलिया भट्ट का एक नया और बेहद दमदार एक्शन अवतार दिखाई दे रहा है, जिसमें वह चोटों और कट के निशानों से भरी हुई नजर आ रही हैं–मानो किसी खूनखराबे वाली भिड़ंत के बाद की स्थिति हो।

अल्फा में आलिया भट्ट के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती स्टार शर्वरी नजर आएंगी। यह एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है, जिसमें अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया और शर्वरी का आमना-सामना बॉबी देओल से होने वाला है, जहां यह दोनों एक क्रूर और तीव्र टकराव में दिखाई देंगी।

यह फिल्म आलिया भट्ट की यश राज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म है। साथ ही यह भारत की पहली ऐसी महिला-प्रधान पूर्ण एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया और शर्वरी मिलकर ऐसे एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी, जैसा दर्शकों ने अब तक किसी अभिनेत्री को बड़े पर्दे पर करते नहीं देखा होगा।

अल्फा का निर्देशन शिव रवैल ने किया है, जिन्होंने इससे पहले यश राज फिल्म्स की वैश्विक स्तर पर सफल वेब सीरीज द रेलवे मेन का निर्देशन किया था। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने

लस्ट स्टोरीज 3 में रोमांटिक अवतार में नजर आएंगे अली फजल

बॉलीवुड अभिनेता अली फजल, बहुप्रतीक्षित लस्ट स्टोरीज 3 में अपने रोमांटिक लवर बॉयअवतार में दिखाई देंगे, जो आधुनिक और भावनात्मक रूप से गहरी प्रेम कहानी को दिखाएगा। अली फजल आखिरी बार मेट्रो इन डिनो में नजर आए थे, जहां उन्होंने एक नरम दिल और दिल छू लेने वाले संगीतकार का किरदार निभाया था, जो प्यार और अपनी भावनाओं के उतार-चढ़ाव से गुजरता है। इसी रोमांटिक सफर को आगे बढ़ाते हुए लस्ट स्टोरीज 3 में अली फजल एक बेहद निजी और भावनात्मक किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ राधिका मदान भी हैं। फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक शकुन बत्रा कर रहे हैं, जो रिश्तों को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाने के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने कहा कि लस्ट स्टोरीज 3 मेरे पास ऐसे समय आई जब मैं कुछ भावनात्मक और सच्चा काम करना चाहता था।

शकुन के पास इंसानी व्यवहार को समझने का एक बहुत खास तरीका है। वह सीन को बस निर्देशित नहीं करते, बल्कि उन्हें अपने तरीके से जीने देते हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा क्योंकि वह आपको नाटकीय होने के बजाय सच्चा बनने के लिए प्रेरित करते हैं। यह कहानी प्यार, चाहत और संवेदनशीलता को बहुत वास्तविक तरीके से दिखाती है, और काफी समय बाद फिर से एक रोमांटिक किरदार निभाना मुझे सच में अच्छा लगा। अली फजल ने कहा कि फिर से लवर बॉय का किरदार निभाने में एक अलग तरह की आजादी महसूस होती है, लेकिन आज के समय के हिसाब से थोड़ा कमजोर, संवेदनशील और भावनाओं को समझने वाला। मुझे लगता है कि दर्शक मेरा एक बिल्कुल अलग और नरम पक्ष देखेंगे, और यही बात लस्ट स्टोरीज 3 को लेकर मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी लस्ट स्टोरीज का हिस्सा लस्ट स्टोरीज 3 रिश्तों को एक नए और आधुनिक नजरिए से दिखाने का वादा करती है। अली फजल की यह परफॉर्मेंस उनके लगातार विकसित होते फिल्मी सफर में एक और दिलचस्प अध्याय जोड़ने वाली है।

रवि दुबे-सरगुन मेहता की नई पंजाबी फिल्म, बड़े प्रोजेक्ट की है तैयारी

रवि दुबे और सरगुन मेहता, जिन्हें इंडस्ट्री के सबसे मेहनती और उद्यमी प्रोड्यूसर-एक्टर कपल्स में से एक माना जाता है, अपनी प्रोडक्शन कंपनी ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट के जरिए लगातार अपने रचनात्मक विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस प्रोडक्शन हाउस ने जमीनी कहानियों और दर्शकों से जुड़ने वाले कंटेंट के जरिए इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अब पहली बार यह जोड़ी अपने बैनर के लिए इतने बड़े स्तर की योजना के बारे में खुलकर बात कर रही है। ड्रीमियाटा एक महत्वाकांक्षी पैन-इंडिया पंजाबी फिल्म की तैयारी कर रहा है, जिसमें सरगुन मेहता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

हाल ही में एक प्रमुख प्रकाशन को दिए इंटरव्यू में रवि दुबे ने इस फिल्म के बारे में पहली बार कुछ जानकारी साझा की और बताया कि यह विचार कैसे धीरे-धीरे एक बड़े सिनेमाई प्रोजेक्ट में बदल गया।

रवि ने कहा, अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता, लेकिन इतना बता सकता हूं कि यह पंजाब से निकलने वाली एक फिल्म है, जिसमें सरगुन फिल्म की मुख्य किरदार होंगी। लेकिन यह एक पैन-इंडिया फिल्म होगी। इसे लेकर हम बहुत-बहुत उत्साहित हैं।

प्रोजेक्ट के विजन के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी टीम एक ऐसे जॉनर को तलाशना चाहती है, जिसे उनके अनुसार अभी तक देशभर में पूरी तरह एक्सप्लोर नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यह जॉनर अभी तक पूरी तरह इस्तेमाल नहीं हुआ है। सिर्फ पंजाब में ही नहीं, बल्कि भारत के कई हिस्सों में भी इसे ज्यादा नहीं देखा गया है।

हम इसे सामने लाना चाहते हैं। इसकी कहानी के मुख्य हिस्से हमारे दिमाग में हैं और हम स्क्रिप्ट पर तेजी से काम कर रहे हैं। इस यात्रा में हम काफी आगे भी बढ़ चुके हैं और यह हमें बहुत रोमांचक लग रहा है।

हमने इसके एसेट्स तैयार करना शुरू कर दिया है, म्यूज़िक पर भी काम शुरू हो चुका है। इन सब चीजों पर काम करते हुए हमें इतनी खुशी मिल रही है कि कई बार रातों की नींद उड़ जाती है, लेकिन हम इस प्रक्रिया का पूरा आनंद ले रहे हैं।

साल 2025 ड्रीमियाटा के लिए एक माइलस्टोन साबित हुआ। प्रोड्यूसर के रूप में इस जोड़ी ने साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पंजाबी फिल्म सौखण सौखणे 2 दी, जबकि सरगुन मेहता ने सफल फिल्म सरबला जी में भी मुख्य भूमिका निभाई।

उनका यूट्यूब-फर्स्ट प्लेटफॉर्म ड्रीमियाटा ड्रामा भी लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है, जिसमें 1.1 बिलियन से ज्यादा व्यूज और 9 बिलियन मिनट से ज्यादा वॉच टाइम दर्ज किया गया है।

कोच साहब, आप पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है विश्व विजेता बनने के बाद धोनी की पोस्ट वायरल

नई दिल्ली: भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत ने एमएस धोनी को भी सोशल मीडिया पोस्ट करने पर मजबूर कर दिया। पूर्व कप्तान धोनी ने चैंपियन टीम की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की और लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। कोच साहब (गौतम), आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है। मैच इंटेंसिटी के साथ आपकी स्माइल एक किलर कॉम्बिनेशन है। बेहतरीन प्रदर्शन, मजे कीजिए। बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है। चैंपियन बॉलर। वहीं, सचिन तेंदुलकर पूरे मैच के दौरान एक्स पर एक्टिव नजर आए। मैच के बाद तेंदुलकर बोले, भारत और न्यूजीलैंड के बॉलर्स में यही अंतर रहा कि इंडिया ने स्लोअर गेंदें बहुत ज्यादा इस्तेमाल कीं। अहमदाबाद में शॉर्ट पिच गेंदें और वैरिएशन ही कारगर रहे। भारत इस ट्रॉफी को जीतना डिजर्व करता है।

गंभीर का जवाब; मुस्कुराने की क्या शानदार वजह है आपको देखकर बहुत अच्छा लगा : एमएस धोनी के इस खास पोस्ट पर कोच गौतम गंभीर ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी। अकसर गंभीर स्वभाव के दिखने वाले कोच ने अपने पुराने कप्तान के प्रति सम्मान जताते हुए लिखा, और मुस्कुराने की क्या शानदार वजह है आपको देखकर बहुत अच्छा लगा।

मैं टूट चुका था, फिर सचिन सर ने..., प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने के बाद संजू सैमसन ने खोला बड़ा राज

3,बॉटम

अहमदाबाद: संजू सैमसन का 2026 एक ऐसी स्क्रिप्ट की तरह रहा है जो आमतौर पर ड्रामाटिक, फॉमूर्ला वाली फि ल्मों के लिए होती है, जिसमें इतने उतार-चढ़ाव होते हैं कि आप पूरे समय इमोशनली जुड़े रहते हैं। हाल ही में 31 जनवरी को, वह तिरुवनंतपुरम में अपने घरेलू दर्शकों के सामने एक उदास इंसान की तरह दिखे, जब ईशान किशन ने ओपनर-कीपर के तौर पर उनकी वर्ल्ड कप की जगह छीन ली।

सैमसन 2025 की शुरूआत से ही बैटिंग में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, और शुभमन गिल को कुछ समय के लिए जगह देने के लिए उन्हें मिडिल-ऑर्डर में भेजा गया था। सिलेक्टर्स ने उस फैसले को पलट दिया और उन्हें फिर से टॉप पर रख लिया, लेकिन रन अभी भी उनके हाथ से निकल रहे थे और किशन ने उन्हें बाहर कर दिया, जिस तरह की बैटिंग इस टीम ने इस वर्ल्ड कप साइकिल में की है। तो वहीं, अपने घरेलू मैदान पर एक डरावनी रात में, उन्होंने टूर्नामेंट से ठीक पहले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का अपना सपना अपनी उंगलियों के बीच से फिसलते देखा। सैमसन ने कहा, मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड सीरीज के ठीक बाद, मैं टूट गया था। मैं पूरी तरह से पागल हो गया था। मैं ऐसा था ठीक है, मेरे सपने टूट गए हैं। मैं और क्या कर सकता हूं?'

लेकिन ये शब्द रविवार की एक बहुत खुशी भरी रात को आए, जहाँ उन्होंने निराशा से खुशी का पूरा चक्कर पूरा किया । उनके सपनों की वर्ल्ड कप रातों में से तीसरी रात भारत की जीत के साथ खत्म हुई। सैमसन ने उम्मीद के मुताबिक वर्ल्ड कप की शुरूआत बेंच पर की और तभी आए जब उन्हें एक ग्रुप गेम में बीमार अभिषेक शर्मा की जगह लेनी पड़ी। अभिषेक के ठीक होने के बाद बिब वापस पहन लिया गया। लेकिन इंडिया के टॉप-थ्री बल्लेबाज ऑफ-स्पिन के खिलाफ स्ट्रगल कर रहे थे, जिससे उन्हें सैमसन को वापस लाकर इसे तोड़ना पड़ा।

इस बार ज्यादा कॉन्फिडेंट सैमसन के मौके का फायदा उठाने के संकेत मिले, जब उन्होंने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों पर तेजी से 24 रन बनाए। उनकी बैटिंग पावर का असली रिस्टोरेशन कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुआ, जहां उन्होंने वेस्ट इंडीज के खिलाफ लगभग नॉकआउट गेम में 50 गेंदों में 97 रन बनाए। एक बार जब बड़े रन बनने शुरू हुए, तो वे रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में इसका खामियाजा भुगता और न्यूजीलैंड ने फाइनल में गेंदों को उड़ते हुए देखा, जब उन्होंने 89 (42) और 89 (46) रन बनाकर वर्ल्ड कप से विदा ली। ऐसी ही रात के बाद, सैमसन ने यह भी बताया कि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया टूर के दौरान, जब वह इंडियन टीम से बाहर हो गए, तो अपने मन की बात कहने के लिए उन्होंने सचिन तेंदुलकर से संपर्क किया। सैमसन ने कहा, पिछले कुछ महीनों से मैं सचिन सर के लगातार संपर्क में हूं। मुझे लगता है कि जब मैं ऑस्ट्रेलिया में बाहर बैठा था, तो मैंने सोचा अब किस माइंडसेट की जरूरत है? इसलिए, मैंने सर से बात की और उनसे मेरी बहुत, बहुत, बड़ी बातें हुईं। उन्होंने आगे कहा, और कल भी, उन्होंने मुझे फोन करके पूछा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि उनके जैसे किसी से गाइडेंस मिलने पर, मैं और क्या मांग सकता हूं?

आखिर में, सैमसन बस शुक्रगुजार थे कि सब कुछ कैसे हुआ। इंडिया के बैट्समैन ने पहले ही टी20 वर्ल्ड कप में बहुत करीब से जीत देखी थी झ लेकिन 2024 में टीम के मेंबर के तौर पर जब उन्होंने कोई गेम नहीं खेला था। सैमसन ने कहा, लेकिन भगवान की कुछ और ही योजना थी। मुझे लगता है कि मैं अचानक जरूरी गेम में वापस आ गया और मैंने अपने देश के लिए वह किया जो मैं कर सकता था। यह एक सपने जैसा लगता है। शब्द नहीं हैं, इमोशन नहीं हैं। मैं बस इससे गुजर रहा हूँ, इसलिए यह थोड़ा अजीब लगता है। सच कहूँ तो, यह सब एक-दो साल पहले शुरू हुआ था। ह्लजब मैं वेस्ट इंडीज में 2024 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के साथ था, तो मैं एक भी गेम नहीं खेल पाया। मैं सोचता रहा। मैं सपने देखता रहा। मैं काम करता रहा। यही वह चीज है जो मैं तब करना चाहता था।

भारत ने क्रिकेट को पूरी तरह बर्बाद कर दिया, टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने पर बौखलाए शोएब अख्तर

एजेंसी/ कराची: टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत की शानदार जीत ने क्रिकेट जगत में खूब चर्चा बटोरी है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस जीत पर विवादित प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि भारत के दबदबे ने क्रिकेट को नुकसान पहुंचाया है। शोएब अख्तर ने कहा, यह ऐसा है जैसे किसी मोहल्ले में एक अमीर बच्चा हो जो गरीब बच्चों को बुलाकर कहे, आओ क्रिकेट खेलते हैं।

भारत भी हमारे साथ कुछ ऐसा ही कर रहा है। आठ टीमों में से चार रख लेते हैं, फिर उनमें से तीन को आगे बुला लेते हैं और फिर कहते हैं देखो, हम जीत गए। भारत ने पूरी तरह क्रिकेट को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने मजाक में गंभीर आरोप लगा दिए और टी20 विश्वकप से पहले जो विवाद हुए थे, उनका बयान उस पर तंज जैसा लग रहा था।

जालंधर-पठानकोट हाईवे पर भीषण सड़क हदसा, मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

होशियारपुरः पंजाब के होशियारपुर जिले में जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर चोलांग टोल प्लाजा के पास हुए एक सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान दसूहा स्थित केएमएस कॉलेज की मुख्य प्रशासक शबनम सैनी (48), उनके बेटे तुशांत (18) (दोनों निवासी दसूहा) और राहुल (25) (निवासी गुरदासपुर) के रूप में हुई है।

टांडा थाना के एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि दुर्घटना सोमवार देर रात उस समय हुई जब शबनम सैनी और उनका बेटा अर्टिगा कार में जालंधर से दसूहा जा रहे थे। उन्होंने बताया कि चोलांग टोल प्लाजा के पास उनकी कार कथित तौर पर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी एक बोलेरो गाड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो पलटकर सड़क किनारे जा गिरी, जबकि अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार, शबनम सैनी, उनके बेटे तुशांत और बोलेरो में सवार राहुल की मौके पर ही मौत हो गई।

बोलेरो में सवार एक अन्य व्यक्ति, जिसकी पहचान विलियम के रूप में हुई है, गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टांडा में भर्ती कराया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

औंधे मुंह गिरे सोने-चांदी के दाम, धड़ाम हुई कीमतें, जानें क्या है इस भारी गिरावट की वजह?

मुंबई : सोमवार को अमेरिकी डॉलर मजबूत होने और महंगाई की आशंकाओं के कारण कीमती धातुओं यानी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई, जिससे निकट भविष्य में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गईं।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए उम्मीद की जा रही थी कि सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतें और बढ़ेंगी। लेकिन इसके उलट इनके दाम में गिरावट देखने को मिली है।

सोमवार को दिन के कारोबार में एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना वायदा गिरकर 1,59,826 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी वायदा गिरकर 2,60,743 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गई।

खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 12.18 बजे) एमसीएक्स पर 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला गोल्ड कान्ट्रैक्ट 881 रुपए यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,60,678 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई एक्सपायरी वाला सिल्वर कान्ट्रैक्ट 3,378 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,64,907 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था

इस बीच अमेरिकी डॉलर मजबूत होकर तीन महीने के उच्च स्तर 99.34 तक पहुंच गया, जो इंट्राडे आधार पर लगभग 0.36 प्रतिशत की बढ़त दशार्ता है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं के निवेशकों के लिए सोना और चांदी खरीदना महंगा हो जाता है।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड भी बढ़ गई है और 10 साल के बॉन्ड की यील्ड एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इससे बिना ब्याज देने वाली धातुओं जैसे सोने और चांदी को रखने की लागत बढ़ जाती है।

इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतों में भी तेज उछाल आया है। तेल की कीमत लगभग 27 प्रतिशत बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो 2022 के बाद पहली बार है जब दोनों प्रमुख तेल मानक 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर गए हैं। यह तेजी मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के कारण आई है।

तेल की कीमतों में इस उछाल से महंगाई बढ़ने की आशंका बढ़ गई है, जिसके चलते बाजार में यह उम्मीद बढ़ रही है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व 18 मार्च को होने वाली दो दिवसीय नीति बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। बाजार के अनुमान के अनुसार, जून में भी फेड के ब्याज दरों को बिना बदलाव के रखने की संभावना 51 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो पिछले सप्ताह 43 प्रतिशत से कम थी।

विश्लेषकों का कहना है कि सोने के लिए 1,48,000 रुपए का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि 1,53,000 रुपए का स्तर रेजिस्टेंस हो सकता है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में 5,000 डॉलर के आसपास मजबूत खरीदारी देखी जा रही है। अगर कीमतें 5,400 से 5,600 डॉलर के ऊपर स्थिर रहती हैं, तो सोना नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि उतार-चढ़ाव के बावजूद चांदी का मध्यम और लंबी अवधि का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है, क्योंकि वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियां और बाजार के संकेत इसके पक्ष में हैं।

इंसानियत शर्मसार : 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म, रात भर खून से लथपथ खेत में बेहोश पड़ी रही बच्ची

पटना : बिहार के बगहा जिले से इंसानियत को झकझोर कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने छह साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मासूम को गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गया। बहला-फुसलाकर ले गया सुनसान जगहः जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक गांव में अपने एक रिश्तेदार के घर आया हुआ था। उसने खेल रही बच्ची को बहला-फुसलाकर गांव के बाहर सुनसान इलाके की ओर ले गया। वहां उसने मासूम के साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। जब देर रात तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों और ग्रामीणों ने पूरी रात उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह बेहोशी की हालत में मिली मासूमः सोमवार की सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर गए, तो वहां बच्ची को बेहोशी की हालत में पाया। बच्ची पूरी तरह खून से लथपथ थी। होश आने पर जब मासूम ने अपनी मां को आपबीती सुनाई, तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

ट्रंप का बड़ा बयान, बोले- ईरान के खिलाफ युद्ध जल्द होगा समाप्त, दुनिया ने ली राहत की सांस

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के डोराल में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं।

युद्ध को लगभग पूरा हो जाने की बात बताने के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा में फिर से ईरान के विषय पर बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमने एक छोटी यात्रा की क्योंकि हमें लगा कि कुछ बुराई को खत्म करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आप देखेंगे कि यह एक बहुत ही कम समय की यात्रा होने जा रही है।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले ही कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन हमने अभी पर्याप्त जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि हम इस लंबे समय से चले आ रहे खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करने और अंतिम जीत हासिल करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अपनी औपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने दोहराया कि ईरान में सैन्य अभियान एक जबरदस्त सफलता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान आने वाले लंबे समय तक परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास अभी भी ईरान में कुछ लक्ष्य हैं, जिन्हें महज एक दिन में नष्ट किया जा सकता है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि युद्ध बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।

रिपब्लिकन सांसदों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को कुछ बहुत ही दुष्ट लोगों से छुटकारा पाने के लिए ईरान में एक अल्पकालिक सैन्य अभियान में शामिल होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि हमने कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन अभी यह जीत पर्याप्त नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीबीएस न्यूज से बातचीत में कहा कि युद्ध काफी हद तक पूर्णता की ओर है। हालांकि न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान में अमेरिकी सैनिकों को भेजने के निर्णय के संबंध में प्रशासन फिलहाल किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंचा है।

न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की, लेकिन बाद में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह उनके स्थान पर किसे देखना चाहते हैं या यह लक्ष्य कैसे हासिल किया जाएगा। एक अन्य मीडिया संस्थान एनबीसी के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की और कहा कि निश्चित रूप से लोग इस बारे में बात कर रहे हैं।

भारत से ब्रह्मोस खरीदेगा इंडोनेशिया, डील फाइनल

ऑपरेशन सिंदूर का योद्धा मुस्लिम देश की फौज में होगा शामिल

नई दिल्लीः इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए समझौता किया है। यह जानकारी इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को दी। साल 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत और रूस की संयुक्त कंपनी ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने जानकारी दी थी कि जकार्ता के साथ 200 से 350 मिलियन डॉलर के सौदे पर उन्नत स्तर की बातचीत चल रही है।

हालांकि प्रवक्ता सिरैत ने इस समझौते की कुल कीमत की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि यह समझौता इंडोनेशिया की सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण का हिस्सा है, खासकर समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए। इससे पहले ब्रह्मोस को पहला विदेशी ऑर्डर 2022 में मिला था, जब दक्षिण-पूर्व एशिया के देश फिलीपींस ने इसे खरीदने के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। ब्रह्मोस एयरोस्पेस और भारत के रक्षा मंत्रालय ने फिलहाल इस नए समझौते पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन डील फाइनल हो चुकी है।

पड़ोसी पाकिस्तान ने देखी है तबाहीः 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल पाकिस्तान के रणनीतिक ठिकानों पर हमलों में बड़े पैमाने पर किया गया था। इसके पाकिस्तान के सैन्य अड्डों और एयरबेस को तबाह किया था, जिसकी आज तक पूरी तरह से मरम्मत नहीं की जा सकी है। इसी सफलता के बाद भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें लेने के लिए कई देशों ने हाथ बढ़ाए थे।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रक्षा तकनीक के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए आयातक से निर्यातक बनने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। साल 2022 में फिलिपींस के साथ 375 मिलियन डॉलर का ऐतिहासिक समझौता हुआ था। अब 9 मार्च, 2026 तक इंडोनेशिया ने भी इस मिसाइल सिस्टम को खरीदने का समझौता कर लिया है।

मध्य प्रदेशः रायसेन किले से लगाया ईरान जिंदाबाद का नारा रील भी बनाया

अब पुलिस ने जुलूस निकालकर

रायसेनः जिले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक विवादित वीडियो के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोप है कि युवकों ने ऐतिहासिक रायसेन किले की प्राचीर पर चढ़कर ईरान के समर्थन में नारे लगाते हुए रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया।

क्या था मामला? : दरअसल, रायसेन किले से तोप चलाते हुए कुछ युवकों का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। वीडियो में युवक नारे लगाते हुए ईरान के समर्थन की बात करते सुनाई दे रहे हैं। बताया गया कि यह वीडियो रमजान के दौरान रोजा खोलने की सूचना देने के समय बनाया गया था। घटना के बाद हिंदू संगठन अपना रायसेन ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि वीडियो में लगाए गए कुछ नारे आपत्तिजनक हैं, जिससे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने आशंका जताई कि इससे शहर में सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ सकता है और तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने क्या कहा? : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने भी इस पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों (शादाब कुरैशी, यूसुफ शेख, बसीम खान और सलमान खान) को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद अस्पताल से न्यायालय तक उन्हें पैदल जुलूस के रूप में पेश किया गया। इस दौरान आरोपियों के हाथों में हथकड़ी लगी थी और पुलिस बल उनके साथ मौजूद रहा। जुलूस के दौरान चारों आरोपी लंगड़ाते हुए चलते नजर आए, जिसे लेकर वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा होती रही।

पुलिस अधिकारी क्या बोले? : पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की भड़काऊ या देश की भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वीडियो बनाने और उसे वायरल करने में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें और किसी भी प्रकार की भ्रामक या विवादित सामग्री साझा करने से बचें।

हिन्दू संगठन नाराजः रमजान माह के दौरान रायसेन किले से तोप चलाते समय ईरान के समर्थन में नारे लगाने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिले में विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसी कड़ी में आज (मंगलवार) को विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठनों ने कहा कि रायसेन किले से रमजान माह में रोजा खोलने और अफ्तारी का संकेत देने के लिए परंपरागत रूप से तोप चलाई जाती है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन की अनुमति से वर्षों से चली आ रही है। किले से तोप चलाने की परंपरा पर रोक लगाने की भी मांगः संगठनों का आरोप है कि हाल ही में कुछ युवकों ने तोप चलाते समय कथित रूप से धर्म विरोधी नारे लगाए और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हिंदू संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश न कर सके। साथ ही संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि रायसेन किले से तोप चलाने की परंपरा पर फिलहाल रोक लगाई जाए या फिर इसकी व्यवस्था पूरी तरह प्रशासनिक निगरानी में कराई जाए।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले गरमाई सियासत

टीएमसी का आरोप, हम पर चिल्लाए मुख्य चुनाव आयुक्त

एजेंसी/ कोलकाताः भारत चुनाव आयोग (ईसीआई) ने यहां मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक पार्टियों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। बैठक में मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयोग सुखबीर ङ्कूसह संधू और विवेक जोशी के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्नय वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान हर राजनीतिक पार्टी को आयोग के सामने अपने विचार और चिंताएं रखने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया था। इस दौरान सभी पार्टियों ने आयोग को आश्वासन दिया कि वे ङ्कूहसा-मुक्त चुनाव कराने में अपना सहयोग देंगे। वहीं तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के प्रतिनिधिमंडलों ने भी सोमवार को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल में मंत्री फिरहाद हकीम, चंद्रिमा भट्टाचार्य और राजीव कुमार शामिल थे।

टीएमसी ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार चर्चा के दौरान गुस्सा हो गए और इस बात पर बहस करने लगे कि पार्टी सुप्रीम कोर्ट क्यों गई है। टीएमसी ने 63 लाख और मतदाताओं के नाम हटाए जाने की विसंगति पर भी जवाब मांगा है। वहीं, शिशिर बाजोरिया के नेतृत्व में बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने 16 सूत्री मांगें रखीं। बीजेपी ने बंगाल में सात या आठ चरणों के बजाय केवल एक या दो चरणों में चुनाव कराने की मांग की है।

- चुनाव आयोग की दहलीज पर हाई-वोल्टेज ड्रामा
- बीजेपी ने सौंपा 16 सूत्री मांगपत्र, दो चरणों में चुनाव करवाने की मांग

कालीघाट मंदिर पहुंचे चुनाव आयुक्त, गो बैक के लगे नारे : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने तीन दिवसीय बंगाल दौरे के दूसरे दिन सोमवार की सुबह कालीघाट पहुंचे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने वहां मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वापस जाओ के नारे लगाए। पूजा करने के बाद बाहर आए ज्ञानेश कुमार ने सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी भाई-बहनों को मेरा नमस्कार। देवी काली सभी की रक्षा करें।

विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। ज्ञानेश कुमार पूजा करने के बाद मुस्कुराते हुए कालीघाट से रवाना हुए। चुनाव आयोग की टीम के कालीघाट पहुंचने से पहले ही पूरे मंदिर परिसर को सुरक्षा कर्मियों ने घेर लिया था। वहां कालीघाट में कई लोग तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए।

थूकने के विवाद में बिहार के युवक की मध्य प्रदेश में हत्या

मधुबनी : मध्य प्रदेश के कटनी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ बिहार के एक युवक की मामूली बात पर हत्या कर दी गई। वहीं इस दर्दनाक हादसे के बाद परिवार गहरे सदमे में है। थूकने को लेकर हुआ विवादः जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान बिहार के मधुबनी जिला अंतर्गत पाली गांव निवासी आसिफ अली के रूप में हुई है। आसिफ अली दिल्ली की एक कंपनी में इलेक्ट्रिशियन का काम करता था और हाल ही में काम के सिलसिले में अपने साथियों के साथ कटनी के बरगवां इलाके में आया था। रविवार देर रात जब वह खाना लेने के लिए होटल जा रहा था, तभी सड़क पर मौजूद एक नाबालिग ने वहां थूक दिया। थूक के कुछ छींटे आसिफ पर पड़ गए, जिसका उसने विरोध किया। यह मामूली कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई और आक्रोश में आए नाबालिग ने अपने पास रखे चाकू से आसिफ पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए।

न्यूज IN ब्रीफ

जोगियाही तालाब से दूध विक्रेता का शव बरामद, 8 मार्च से लापता था मोहन

मेदिनीनगर, पलामू : शहर थाना क्षेत्र के काशीनगर रेडमा निवासी 58 वर्षीय दूध विक्रेता मोहन यादव का शव मंगलवार को जोगियाही तालाब से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक स्वर्गीय रामकिशुन यादव के पुत्र बताए जाते हैं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।परिजनों के अनुसार मोहन यादव 8 मार्च की शाम शहर के ठाकुरबाड़ी मोहल्ले में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। बाद में परिजनों ने आसपास के इलाकों में भी काफी तलाश की, फिर भी उनका पता नहीं चल सका।

मंगलवार को एक चरवाहे ने जोगियाही तालाब के पास एक साइकिल और कुछ सामान पड़े होने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। वहां तालाब किनारे मोहन यादव की साइकिल और अन्य सामान पड़ा हुआ मिला। इसके बाद लोगों ने तालाब में तलाश शुरू की, जहां से मोहन यादव का शव बरामद हुआ।बताया जाता है कि मोहन यादव दूध बेचने का काम करते थे और रोजाना आसपास के मोहल्लों में दूध की आपूर्ति करते थे। परिजनों के मुताबिक उन्हें शराब पीने की भी आदत थी। हालांकि उनकी मौत कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार और एसआई संगीता झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मोहन यादव की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए व्यापार मेला का शुभारंभ

दुमका : भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद द्वारा दुमका जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए तीन दिवसीय प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला दिनांक 09 मार्च से 11 मार्च 2026 तक यज्ञ मैदान, दुमका में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को उनके उत्पादों की बिक्री के लिए मार्केटिंग सपोर्ट प्रदान करना है, जिससे स्थानीय कारीगरों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार मिल सके।

कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक दीपक कुमार, सहायक निदेशक ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को अपने पारंपरिक शिल्प और उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने और बाजार से जोड़ने के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है।

उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों के विकास के लिए यह आयोजन एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रदर्शनी सह व्यापार मेला से स्थानीय कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, बाजार से जुड़ने तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। इससे राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने उपस्थित कारीगरों एवं शिल्पकारों से इस मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा मार्केटिंग के नए तरीकों को सीखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर दास कुमार एक्का, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र दुमका एवं जामताड़ा, रमाकाल चतुवेर्दी, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र साहेबगंज, पाकुड़ एवं गोड्डा तथा आशुतोष कुमार सिंह, एलडीएम ने भी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने की अपील की। इसके अतिरिक्त जिला समन्वयक, एमएमएलकेयूवीबी, दुमका एवं ईओडीबी मैनेजर, जिला उद्योग केंद्र, दुमका ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान अजित कुमार, प्रबंधक, आईपीभीबी, दुमका द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को यूपीआई क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें डिजिटल भुगतान प्राप्त करने में सुविधा होगी। साथ ही प्रतिभागियों को जेम पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया, उद्यम पंजीकरण, पात्रता एवं मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला उद्योग केंद्र, दुमका के प्रतिनिधियों द्वारा झारखंड सरकार की विभिन्न सहायता योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी सह व्यापार मेले में दुमका एवं आसपास के जिलों के लगभग 60 शिल्पकारों और कारीगरों ने अपने उत्पादों के साथ भाग लिया है, जहां वे अपने पारंपरिक शिल्प और हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री कर रहे हैं।

दुमका जिला को प्रतिभा अवार्ड में प्रथम स्थान

दुमका : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड्स प्रमोशन सोसाइटी , ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार द्वारा दुमका जिला को ह्लप्रतिभा अवार्डह्व में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान वित्तीय वर्ष 2024झ्र25 के दौरान आजीविका संवर्धन, महिला सशक्तिकरण तथा नवाचार पहल के रूप में ह्लदीदी की दुकानह्व के सफल संचालन के लिए प्रदान किया गया।

जिले में स्वयं सहायता समूहों, प्रोड्यूसर ग्रुप एवं अन्य सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, आजीविका के अवसरों का विस्तार करने तथा सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से ह्लदीदी की दुकानह्व पहल, जो उपायुक्त के मार्गदर्शन एवं उनकी महत्वाकांक्षी सोच का परिणाम है, के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर उद्यमिता के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी प्रयास किया गया है।

यह सम्मान झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडे सिंह (ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग एवं पंचायती राज विभाग), मंत्री संजय प्रसाद यादव (उद्योग, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग) तथा खरछ्ढर की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्या मित्तल के द्वारा प्रदान किया गया।

पलामू के शिक्षाजगत की उज्ज्वल धरोहर प्रो. सुभाष चंद्र मिश्रा को दी गई श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शिक्षण और सांस्कृतिक परिवेश को गहरे रूप से प्रभावित करने वाले वरिष्ठ शिक्षाविद्, अंग्रेजी साहित्य के विद्वान और बहुआयामी व्यक्तित्व सुभाष चंद्र मिश्रा के निधन की खबर ने पूरे पलामू क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया है। 9 मार्च 2026 को उनका देहावसान केवल एक व्यक्ति की विदाई नहीं, बल्कि उस प्रेरक युग का अवसान है जिसने दशकों तक शिक्षा, साहित्य और सामाजिक चेतना को दिशा दी।

प्रो. मिश्रा उन विरल शिक्षकों में थे जिनका प्रभाव कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहा। उनके हजारों विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं और अपने जीवन में मिली प्रेरणा का श्रेय अपने इस प्रिय गुरु को देते हैं। यही कारण है कि उनके निधन की खबर ने असंख्य विद्यार्थियों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों को गहरे दुःख में डुबो दिया है।

29 जून 1944 को पलामू जिले के पनेरीबांध में अपने ननिहाल में जन्मे प्रो. मिश्रा का पैतृक घर बिहार के रोहतास जिले के पांडुका में था। किंतु उनका अधिकांश जीवन पलामू में बीता और यही क्षेत्र उनकी कर्मभूमि बन गया। पिता तपेश्वर मिश्रा और माता सरस्वती देवी से मिले संस्कारों ने उन्हें ज्ञान, विनम्रता और सेवा-भाव की ओर प्रेरित किया।

डाल्टनगंज के प्रसिद्ध *जीएलए कॉलेज* में अंग्रेजी के प्राध्यापक के रूप में उन्होंने लंबे समय तक अध्यापन किया। वे अपनी प्रभावशाली वाणी, गहन अध्ययन और सहज व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। विद्यार्थियों को पढ़ाते समय उनका उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं होता था, बल्कि वे उन्हें साहित्य की गहराई, विचार की स्वतंत्रता और जीवन के मूल्यों से भी परिचित कराते थे।

उनकी कक्षाएँ विद्यार्थियों के लिए केवल पाठ नहीं, बल्कि अनुभव बन जाती थीं। वे शिक्षा को जीवन निर्माण का माध्यम मानते थे और अपने छात्रों को आत्मविश्वास तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। यही कारण था कि उनसे मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा का अनुभव करता था। एक पारिवारिक सदस्य के रूप में मेरा उनके साथ विशेष आत्मीय संबंध रहा। बचपन से ही उनका स्नेह और मार्गदर्शन

मुझे मिलता रहा। एक बार जीवन की किसी उलझन को लेकर मैं अत्यंत चिंतित था। उन्होंने धैर्यपूर्वक मेरी बात सुनी और बड़े सरल शब्दों में समझाया कि कठिनाइयाँ जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे भागने के बजाय उनसे सीख लेना चाहिए। उनकी यह सलाह आज भी मेरे लिए मार्गदर्शक बनी हुई है। उनके न रहने की खबर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से गहरी पीड़ा का कारण बनी है।

साहित्य के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं पर उनकी समान पकड़ थी। उनकी पुस्तक *ह्लकोयल की धाराह्व* उनके विचारों और संवेदनशील दृष्टि को अभिव्यक्त करती है। इसके अलावा उनके व्यक्तित्व और कार्यों पर केंद्रित पुस्तक *ह्लसबकी आस सुभाषह्व* यह दशार्ती है कि वे समाज में कितने प्रिय और सम्मानित थे।

शिक्षा और साहित्य के साथ-साथ खेलों के प्रति भी उनका विशेष लगाव था। फुटबॉल और क्रिकेट उनके प्रिय खेलों में शामिल थे। वे युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी सक्रिय रहने की प्रेरणा देते थे, क्योंकि उनका मानना था कि खेल व्यक्ति के व्यक्तित्व को संतुलित और मजबूत बनाते हैं।

समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी उल्लेखनीय थी। शिक्षा, साहित्य, खेल और पर्यावरण जैसे विविध क्षेत्रों में वे सक्रिय रूप से जुड़े रहे। वे लोगों को प्रोत्साहित करने और उनकी क्षमताओं को पहचानने में विश्वास रखते थे। उनके संपर्क में आने वाले लोग अक्सर बताते थे कि उनसे मिलकर मन का बोझ हल्का हो जाता था और नई प्रेरणा मिलती थी।

उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार ही नहीं करता, बल्कि समाज की भावी पीढ़ियों के चरित्र और दृष्टिकोण को भी आकार देता है। आज उनके जाने के बाद भी उनके विचार, उनके संस्कार और उनकी स्मृतियाँ अनगिनत लोगों के जीवन को प्रेरित करती रहेंगी। जीवन और मृत्यु प्रकृति का अटल नियम है, किंतु कुछ व्यक्तित्व अपने कार्यों और आदर्शों के कारण हमेशा स्मरण किए जाते हैं। प्रो. सुभाष चंद्र मिश्रा भी उन्हीं विरल व्यक्तित्वों में शामिल हैं, जिनकी प्रेरणा समय के साथ और अधिक उज्ज्वल होती जाएगी।

पलामू की धरती आज अपने एक ऐसे शिक्षक को विदा कर रही है, जिसकी दी हुई रोशनी आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक मार्ग दिखाती रहेगी।

सतबरवा थाना क्षेत्र में अवैध अफीम/पोस्ता की खेती को किया गया नष्ट

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 10.03.2026 को सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पीडिया के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती को विनष्ट किया गया। प्राप्त सूचना के आधार पर सतबरवा थाना की पुलिस टीम द्वारा उक्त क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान जंगल क्षेत्र में लगभग 2-3 कट्ठा जमीन में अवैध रूप से लगी अफीम/पोस्ता की खेती पाई गई। तत्पश्चात पुलिस बल द्वारा मौके पर ही उक्त अवैध अफीम/पोस्ता की फसल को नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है तथा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पलामू पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

पलामू जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 10.03.2026 को सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पीडिया के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती को विनष्ट किया गया। प्राप्त सूचना के आधार पर सतबरवा थाना की पुलिस टीम द्वारा उक्त क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान जंगल क्षेत्र में लगभग 2-3 कट्ठा जमीन में अवैध रूप से लगी अफीम/पोस्ता की खेती पाई गई। तत्पश्चात पुलिस बल द्वारा मौके पर ही उक्त अवैध अफीम/पोस्ता की फसल को नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है तथा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पलामू पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

केशरी सूर्य मंदिर में पीपल वृक्ष विवाहोत्सव पर हुआ भक्ति जागरण का आयोजन

संवाददाता

बासुकीनाथ : जरमुंडी प्रखंड के केशरी गांव स्थित सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित पीपल वृक्ष विवाहोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पूर्व विधायक बादल, पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद तथा राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य डॉ प्रमोद पंडित सहित कई लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। कार्यक्रम में लोकगायिका कुमकुम बिहारी ने भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, आस्था और परंपराओं को मजबूत करते हैं। आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं कमिटी के अध्यक्ष बिन्देश्वरी महतो, गौरीशंकर मंडल, मणिकान्त बैद सुबोध यादव, सहदेव माँझी, दामोदर मंडल, जनार्धन माँझी, सुदामा, नन्दलाल राय, मोहन माँझी, मोहन पंडा, राजकुमार, सुर्यनारायण साह, सुरेश पंडा, दिनेश पंडा, विश्वनाथ पंडा, पोनटेस पंडा, दामोदर पंडा।

एके सिंह कॉलेज जपला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला मे दिनांक 9 मार्च 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूजा कुमारी, राजनंदनी कुमारी, रागनी कुमारी,पुष्पा कुमारी, पम्मी कुमारी,रिंकी कुमारी सहित अनेक स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं ने महिलाओं की प्रगति में आने वाली समस्याएं और उसके समाधान विषय पर अपने अपने विचार रखे। पूजा कुमारी ने अपने संभाषण में दहेज प्रथा का विरोध किया। रिंकी कुमारी ने समाज में नारियों की स्थिति की वास्तविकता से रूबरू करायी। उसने कहा कि नारियों की स्थिति समाज में आज भी असमान और दयनीय है । रागनी कुमारी ने कहा कि यदि समाज में सम्मान से जीना है तो अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और कामयाबी हासिल करें। कार्यक्रम का संचालन रिंकी कुमारी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक घर से लड़कियां हर क्षेत्र में आगे कार्य कर रही हैं, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो ,खेल का क्षेत्र हो या फिर विज्ञान और तकनीक का क्षेत्र ही क्यों न हो। समाज में नारियों की स्थिति बेहतर हुई है।हिंदी विभागाध्यक्ष -सह- आई क्यू ए सी समन्वयक डॉ. आलोक रंजन कुमार ने कविता के माध्यम से महिलाओं के समाज एवं देश में दिए गए योगदान तथा उनकी प्रगति को रेखांकित किया। प्राचार्य डॉ राम सुभग सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान युग आर्थिक और वैज्ञानिक युग है। आज नारियों को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनना होगा, तभी आप समाज में अपनी पहचान बनाने में कामयाब होंगे और निर्णय में सहभागी होंगे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो राहुल कुमार सिंह ने किया और अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर अकाउंटेंट ओम प्रकाश सिंह, विवेक कुमार, प्रिंस कुमार सिंह सहित शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण तथा सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अलीनगर के खेत में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज संवाददाता

हुसैनाबाद,पलामू: हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब अलीनगर गांव के एक खेत में एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान बेल बिगहा पंचायत के पोखरापर निवासी संजय पासवान के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय पासवान अलीनगर स्थित अपने ननिहाल में रह रहा था। गुरुवार को ग्रामीणों ने अलीनगर गांव के एक खेत में उसका शव पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।बताया जाता है कि संजय पासवान अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों

का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक का शव खेत में मिलने से कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

जल सहिया पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपयुक्त अभिजीत सिन्हा ने जल महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने उपस्थित सभी जल सहियाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि जल सहिया ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सभी जल सहियाओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र के सभी पेयजल स्त्रोतों पर विशेष ध्यान रखें, ताकि गर्मी के दिनों में आम जनों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि यदि किसी भी क्षेत्र में चापाकल या जलमीनार खराब है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर अविलंब दुरुस्त किया जाए। साथ ही जिन पेयजल योजनाओं का ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ड&ट) पीरियड चल रहा है, उन योजनाओं को संबंधित संवेदक के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र ठीक कराया जाए, ताकि आम लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी जल सहियाओं के साथ विद्युत मिस्त्री की टैगिंग सुनिश्चित की जाए, जिससे छोटी-छोटी तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके और पेयजल आपूर्ति बाधित न हो।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली जल सहियाओं को उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में जल सहियाएँ उपस्थित थे।